शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 236 | गुवाहाटी | बुधवार, 1 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पश्चिम एशिया संकट पर पीएम मोदी का आश्वासन... पेज 2
असम चुनाव के लिए भाजपा का संकल्प पत्र 3 लाख से अधिक लोगों के सुझावों ... पेज 3
पेट्रोल-डीजल और एलपीजी पर योगी सरकार की सख्त निगरानी पेज 5
दिल्ली को जीत दिलाने अक्षर पटेल को निरंतरता लानी होगी : इरफान पठान पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

संसार में सफल और सुखी वही लोग हैं, जिनके अंदर विनय हो और विनय विद्या से ही आती है।

- ईश्वर चंद्र विद्यासागर

न्यूज गैलरी

सोनिया गांधी को मिली गंगा राम अस्पताल से छुट्टी

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को मंगलवार को सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें 24 मार्च को बुखार होने के बाद सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सोनिया गांधी अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। डॉक्टरों के अनुसार वे एक सिस्टमिक इन्फेक्शन के लिए एंटीबायोटिक्स -शेष पृष्ठ दो पर

असम में भाजपा के 31 वादों का संकल्प पत्र

सुरक्षित व विकसित असम पर जोर

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए *संकल्प पत्र* के रूप में अपना घोषणापत्र जारी किया। पार्टी ने संकल्प पत्र में 31 प्रमुख वादों के माध्यम से स्वदेशी अधिकारों की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने, आर्थिक विकास और समावेशी प्रगति पर विशेष जोर दिया है। गुवाहाटी में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया तथा राज्य के कई मंत्रियों की उपस्थिति में संकल्प पत्र का विमोचन किया। इस अवसर पर सीतारमण ने कहा कि पिछले दस वर्षों में भाजपा सरकार ने असम में व्यापक परिवर्तन लाया है, जिससे राज्य के साथ-साथ पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास को गति मिली है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि पार्टी का विजन *जाति, माटी, भेटी* की सुरक्षा पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हम असम को शानदार राज्य बनाना चाहते हैं। हम एक निर्भर राज्य नहीं बनना चाहते। हम राष्ट्र निर्माण में हिस्सा लेना चाहते हैं। संकल्प पत्र में हमने 31 वादे किए हैं। संकल्प पत्र में अवैध प्रवासियों की पहचान करने और निष्कासन को तेज करने के लिए *अप्रवासी (असम से निष्कासन) अधिनियम 1950* को लागू करने तथा अतिक्रमित भूमि को मुक्त कराने का वादा किया गया है। मिशन बसुंधरा के तहत स्वदेशी लोगों को भूमि अधिकार देने और सांस्कृतिक व धार्मिक संस्थानों की रक्षा करने की बात कही गई है। छठी अनुसूची क्षेत्रों -शेष पृष्ठ दो पर

सत्ता में आए तो लव जिहाद और यूसीसी पर तीन महीने में लाएंगे कानून : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को इस बात पर जोर दिया कि सत्ता में आने के बाद भारतीय जनता पार्टी असम को उस मुकाम तक ले जाएगी जहां वह राष्ट्र के विकास में एक अहम भूमिका निभाएगा, न कि एक आश्रित राज्य बनकर रह जाएगा। एक प्रेस कांफ्रेंस में बोलते हुए शर्मा ने बताया कि भाजपा

असम के आदिवासी और जातीय समुदायों के अधिकारों को प्रभावित किए बिना राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करेगी। सरकार लव जिहाद और भूमि जिहाद के खिलाफ सख्त कानून भी लाएगी। हिमंत ने कहा कि सत्ता में वापस आने के बाद, असम के आदिवासी और अन्य जातीय समुदायों के अधिकारों को -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी की रैली आज विश्वनाथ में तैयारियां चरम पर

विश्वनाथ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव प्रचार को तेज करने के लिए राज्य के एक उच्च स्तरीय दौरे पर

जाने वाले हैं, क्योंकि 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव प्रचार अपने अंतिम चरण में प्रवेश कर रहा है। मोदी के मंगलवार रात गुवाहाटी पहुंचने की उम्मीद है, जिसके बाद वह बुधवार को विश्वनाथ जिले की यात्रा करेंगे, जहां वह बिहाली के कुलागुरी मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इस रैली का लक्ष्य विश्वनाथ, बिहाली और गोहपुर नामक तीन प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाताओं को आकर्षित करना है और इसे राज्य में भाजपा की चुनावी रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में -शेष पृष्ठ दो पर

छह को प्रधानमंत्री के होजाई आगमन के लिए व्यापक तैयारी

होजाई (हि.स.)। राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव 2026 के मद्देनजर प्रचार अभियान जोर पकड़ चुका है। राष्ट्रीय स्तर के नेता राज्य के कुछ विशेष क्षेत्रों में अपनी पार्टी और प्रत्याशी के समर्थन में जनता के बीच बैठक, शोभायात्रा आदि के माध्यम से चुनावी प्रचार कर रहे हैं। इसी क्रम में होजाई जिले के मुख्यालय शहर के श्रीमंत शंकरदेव नगर में आगामी 6 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आएंगे। इसके लिए पहले से ही श्रीमंत शंकरदेव नगर में जिला आयुक्त कार्यालय के सामने स्थित खेल मैदान में सुरक्षा कर्मियों की देखरेख में सभा के पंडाल के निर्माण का कार्य तथा सभी अन्य कार्य किए जा रहे हैं। पूरी तत्परता के साथ तैयारी चल रही है। प्रदेश भाजपा ने लगभग एक लाख लोगों की उपस्थिति में उक्त सभा आयोजित करने की योजना बनाई है। दूसरी ओर, आगामी 1 अप्रैल को 2 नंबर काकी में भाजपा उम्मीदवार शिवू मिश्रा के लिए राज्य के कैबिनेट मंत्री पियूष हजारिका चुनावी प्रचार चलाएंगे।

असम में महिलाएं अब निष्क्रिय मतदाता नहीं रहीं : स्मृति

धेमाजी। असम के राजनीतिक परिदृश्य में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मंगलवार को कहा कि महिलाएं अब राज्य के विकास की कहानी और चुनावी निर्णय लेने के केंद्र में हैं। भाजपा उम्मीदवार जिबोन गोगोई के समर्थन में सिस्सिबोरगांव में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, ईरानी ने कहा कि असम ने पिछले एक दशक में

निरंतर विकास देखा है, जिसमें महिलाएं राजनीतिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार के रूप में उभरी हैं। उन्होंने कहा कि पहले कहा जाता था कि महिलाएं वहीं वोट देती थीं जहां उनके पति उनसे कहते थे; अब महिलाएं अपने पतियों से कमल के फूल को वोट देने के लिए कहती हैं, और पुरुष उनकी बात मान लेते हैं। महिलाओं के लिए प्रस्तावित आरक्षण का -शेष पृष्ठ दो पर

असम को विकास और समृद्धि के नए युग की ओर आगे बढ़ा रही डबल इंजन की सरकार : राजनाथ

शोणितपुर (हि.स.)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि डबल इंजन की सरकार आज असम को विकास और समृद्धि के नए युग की ओर आगे बढ़ा रही है। असम विधान सभा चुनाव के मद्देनजर शोणितपुर जिला के तेजपुर विधान सभा क्षेत्र में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने भाजपानीत सरकार की उपलब्धियों की जहां चर्चा की, वहीं विपक्ष की कांग्रेस की नीतियों की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा का संकल्प है कि हर कीमत पर असम की संस्कृति और पहचान की रक्षा हो। असम के लोगों का सम्मान हो। यहां का विकास हो। इसी संकल्प के साथ

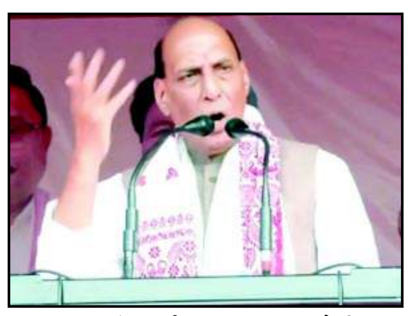

आज डबल इंजन की सरकार असम को विकास और समृद्धि के नए युग की ओर आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकारों ने हमेशा असम के साथ सौतेला व्यवहार किया है। हमेशा यहां की उपेक्षा की है। यहां के लोगों को कांग्रेस ने दिल्ली से, अपने दिल से और दिमाग से भी दूर रखा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कुशासन के कारण एक ऐसा समय था, जब असम के बारे में बात होती थी तो उग्रवाद की बात होती थी। अशांति की बात होती थी। अस्थिरता की बात होती थी। असम और नॉर्थ-ईस्ट के विकास को नई दिशा और नई ऊर्जा देने का काम सबसे पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। उन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए एक समर्पित मंत्रालय बनाया था। ताकि असम और पूरे पूर्वोत्तर के विकास को विशेष प्राथमिकता दी जा सके। -शेष पृष्ठ दो पर

अब राशन की दुकानों पर फिर मिलेगा मिट्टी का तेल

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और वैश्विक स्तर पर रसोई गैस (एलपीजी) की सप्लाई में आ रही दिक्कतों को देखते हुए केंद्र सरकार ने एक बड़ा और राहत भरा कदम उठाया है। सरकार ने फैसला किया है कि अब आम जनता को एक बार फिर राशन की दुकानों और चुनिंदा पेट्रोल पंपों से केरोसीन यानी मिट्टी का तेल मिल सकेगा। सोमवार, 30 मार्च को हुए इस एलान का मकसद अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा संकट के दौरान घरेलू जरूरतों को पूरा करना है। सरकार ने देश के 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस व्यवस्था को दोबारा बहाल करने की मंजूरी दी है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे प्रमुख राज्यों के साथ-साथ पहाड़ी प्रदेशों जैसे उत्तराखंड और हिमाचल में भी यह सुविधा मिलेगी। दक्षिण भारत के तेलंगाना और आंध्र प्रदेश सहित पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों और लगभग सभी केंद्र शासित प्रदेशों को इस सूची में -शेष पृष्ठ दो पर

टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं में झड़प, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

कोलकाता। कोलकाता में मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के बाहर मंगलवार को फॉर्म-6 जमा कराने को लेकर तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच भीषण

झड़प हो गई। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि पुलिस को लाठीचार्ज कर कार्यकर्ताओं को हटाना पड़ा। मौके पर केंद्रीय बल भी तैनात रहा। मिली जानकारी के अनुसार, एक युवक सीईओ कार्यालय में फॉर्म-6 जमा कराने पहुंचा था। आरोप है कि उसके पास प्लास्टिक बैग में बड़ी संख्या में फॉर्म थे। तृणमूल समर्थित बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने उसे पकड़ लिया और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। वे सड़क पर -शेष पृष्ठ दो पर

नालंदा शीतला माता मंदिर भगदड़, नौ की मौत

पटना (हि.स.)। बिहार में नालंदा जिले के शीतला माता मंदिर में भगदड़ में 9 लोगों की अबतक मौत हो गई है, जबकि 7 लोग घायल हुए हैं। नालंदा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने बताया कि गर्मी और भीड़ की वजह से घटना हुई है। हादसे की जांच के लिए गठित एसआईटी ने छानबीन शुरू कर दी है।

एसपी भारत सोनी के अनुसार, अत्यधिक गर्मी और भारी भीड़ इस हादसे की मुख्य वजह रही। उन्होंने बताया कि ठंडे पानी में स्नान के बाद जब महिलाएं मंदिर परिसर में प्रवेश कर रही थीं, तभी दम घुटने और पानी की कमी के कारण कई महिलाएं बेहोश होकर गिरने लगीं। इससे अफरा-तफरी मच गई और भीड़ बेकाबू हो गई, जिसके चलते यह दुखद घटना घटी। एसपी ने बताया कि हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। भीड़ में दबने से श्रद्धालुओं की मौत हुई है, जबकि एक पुरुष ने अस्पताल में दम तोड़ा। उन्होंने कहा कि मंदिर में पहले से चौकीदारों की तैनाती थी, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में भीड़ आने की पूर्व सूचना नहीं थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन कर दिया -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान की गैस पाइपलाइन पर बड़ा अटैक, दहला पूरा इस्लामाबाद

इस्लामाबाद। हिंदी की एक कहावत तो सुनी ही होगी आपने गरीबी में आटा गीला और इस वक्त बिल्कुल वही हाल पाकिस्तान का हो गया है। पहले ही पेट्रोल डीजल को लेकर त्राहि मची हुई है। पाकिस्तान में पेट्रोल

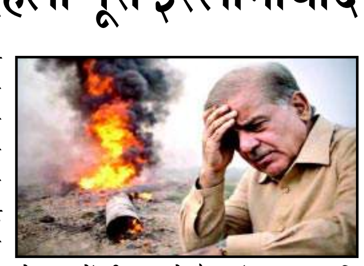

की कीमतें 321 और वहीं आपको बता दें डीजल जो है यहां पर 335 प्रति लीटर बिक रहा है। तेल और गैस के दाम सातवें आसमान पर है। गैस की किल्लत से जनता परेशान है और अब ऊपर से एक और बड़ा झटका पाकिस्तान को लग गया है। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में अचानक ऐसा भीषण ब्लास्ट हुआ है जिसने इस्लामाबाद से लेकर लाहौर तक में खतरनाक हड़कंप मचा दिया है। धमाका इतना -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान युद्ध में मदद न करने वाले देशों पर भड़के ट्रंप, कहा-

हिम्मत दिखाओ, होर्मुज से अपना तेल खुद ले आओ

वाशिंगटन। ईरान से जुड़े तनाव के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को एक तीखे बयान में होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के कारण ईंधन की कमी का सामना कर रहे देशों से आग्रह किया कि वे हिम्मत जुटाएं और अपना तेल खुद जुटाएं। यह महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग, जिससे होकर वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है, फरवरी के अंत में अमेरिका-इजरायल की सैन्य कार्रवाई के बाद

ईरान के जवाबी हमलों के कारण बुरी तरह बाधित हो गया है। क्षेत्र में तेल और गैस जहाजों को कथित तौर पर निशाना बनाया गया है, जिससे वैश्विक ऊर्जा संकट और भी बढ़ गया है। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रम्प ने सुझाव दिया कि ब्रिटेन सहित प्रभावित देशों को या तो संयुक्त राज्य अमेरिका से ईंधन खरीदना चाहिए या जलडमरूमध्य तक पहुंच सुरक्षित करने के लिए स्वतंत्र कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने अमेरिकी रुख में -शेष पृष्ठ दो पर

असम चुनाव में 39 प्रतिशत उम्मीदवार करोड़पति, भाजपा के 88 और 61 प्रतिशत कांग्रेस के : एडीआर रिपोर्ट

गुवाहाटी। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के एक विश्लेषण के अनुसार, असम के चुनावी परिदृश्य पर धन का गहरा प्रभाव बना हुआ है, जिसमें 2026 के विधानसभा चुनावों में चुनाव लड़ने वाले लगभग 10 में से 4 उम्मीदवारों ने 1 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति घोषित की है। मंगलवार को जारी रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि सभी 722 उम्मीदवारों के स्व-घोषित हलफनामों के आधार पर, 285 प्रतियोगी, यानी 39 प्रतिशत, करोड़पति श्रेणी में आते हैं। यह 2021 के विधानसभा चुनावों की तुलना में एक तीव्र वृद्धि को दर्शाता है, जब 28 प्रतिशत उम्मीदवारों ने 1 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति घोषित की थी, जो राज्य की चुनावी राजनीति में धन शक्ति के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करता है। मुख्य आंकड़ों से परे, उम्मीदवारों की वित्तीय स्थिति उनकी संपत्ति में लगातार वृद्धि की ओर

इशारा करती है। 2026 में प्रति उम्मीदवार औसत संपत्ति 3.25 करोड़ रुपए है, जो 2021 में 2.10 करोड़ रुपए थी। सभी 722 उम्मीदवारों ने सामूहिक रूप से 2,352 करोड़ रुपए की कुल संपत्ति घोषित की है। धन के वितरण पर करीब से नजर डालने पर प्रतियोगियों के बीच वित्तीय स्थिति में विभिन्न स्तर दिखाई देते हैं। लगभग 13 प्रतिशत उम्मीदवारों ने 5 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति घोषित की है, जबकि 15 प्रतिशत उम्मीदवार 2 करोड़ रुपए से 5 करोड़ रुपए के बीच की संपत्ति के दायरे में आते हैं। अन्य 24 प्रतिशत लोगों के पास 50 लाख रुपए से 2 करोड़ रुपए के बीच की संपत्ति है, और 23 प्रतिशत लोगों के पास 10 लाख रुपए से 50 लाख रुपए के बीच की संपत्ति है। सबसे निचले स्तर पर, 25 प्रतिशत उम्मीदवारों ने 10 लाख रुपए से कम की संपत्ति घोषित -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

बीसीसीआई से जुड़े एक ब्रिटिश ब्रॉडकास्ट इंजीनियर की मुंबई के होटल में मौत

मुंबई (हि.स.)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ ब्रॉडकास्ट इंजीनियर के तौर पर काम कर रहे एक ब्रिटिश नागरिक का शव मुंबई के ट्राइडेंट होटल में उनके कमरे में मिला। मृतक की पहचान इयान विलियम्स लैंगफोर्ड (76) के रूप में हुई है। इस मामले की छानबीन मरीन ड्राईव पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि इयान विलियम्स लैंगफोर्ड आईपीएल मैचों की कवरेज के सिलसिले में 24 मार्च से ट्राइडेंट होटल में रुके हुए थे। 29 मार्च को मैच खत्म होने के बाद इयान अपने होटल के कमरे में लौट आए। एक दिन बाद 30 मार्च को, जब रिसेप्शनिस्ट ने उनके कमरे में फोन किया, तो कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद होटल का स्टाफ उन्हें देखने गया। स्टाफ को अंदर से कोई जवाब न मिलने पर उन्होंने मास्टर चाबी से कमरा खोला और इयान को फर्श पर पड़ा हुआ पाया। होटल के इन-हाउस डॉक्टर को इसकी सूचना दी गई, जिन्होंने जांच के बाद इयान को उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पश्चिम एशिया संकट पर पीएम मोदी का आश्वासन, बोले-

कांग्रेस फैला रही डर, स्थिति नियंत्रण में है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 मार्च को कहा कि भारत की प्रभावी विदेश नीति और नागरिकों की अटूट एकता ने ऊर्जा आपूर्ति से संबंधित वैश्विक चुनौतियों के बावजूद स्थिति को नियंत्रण में बनाए रखा है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर ऐसे समय में भय *फैलाने और जनता को भड़काने* का आरोप लगाया जब एकता अत्यंत आवश्यक है। गुजरात के वाव-थारद में कई विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में जो स्थिति उत्पन्न हो रही है, उसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। ऊर्जा संबंधी आवश्यकताओं - विशेष रूप से डीजल, पेट्रोल और गैस - को लेकर वैश्विक स्तर पर कठिनाइयां बढ़ गई हैं। फिर भी, ऐसे संकट के बीच भी भारत ने सफलतापूर्वक स्थिति को नियंत्रण में रखा है। इस सफलता का आधार देश की प्रभावी विदेश नीति और नागरिकों की अटूट एकता है। मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पश्चिम एशिया संघर्ष को और तीव्र करना चाहती है ताकि उसे राजनीतिक लाभ मिल सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जब देश को एकता और एकजुटता की आवश्यकता है, तब कांग्रेस नेता विभाजनकारी गतिविधियों में लगे हुए हैं। कांग्रेस भय और अफवाहें फैलाने में व्यस्त है। कांग्रेस सक्रिय रूप से जनता को भड़का रही है। राजनीतिक गिद्धों की तरह, कांग्रेस इंतजार कर रही है कि संकट बढ़ेगा ताकि वह स्थिति का फायदा उठाकर राजनीतिक लाभ उठा सके। अपने भाषण के बाद, मोदी ने वाव-थराद में एक रोड शो में भाग लिया, जहां सैकड़ों लोग अपना समर्थन दिखाने के लिए एकत्रित हुए। इससे पहले उसी दिन, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कोझिकोड में एक रैली को संबोधित करते हुए पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण वित्तीय भूकंप की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि आप मुझसे बेहतर जानते हैं कि मध्य पूर्व में क्या हो रहा है। आप जानते हैं कि वहां क्या घटनाक्रम चल रहा है। एक त्रासदी घट रही है। और कोई नहीं जानता कि इसका अंत कहां होगा, यह कहां तक जाएगा। और केरल के लोग, भारत के लोग, इससे सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। ईंधन की कीमतें बढ़ेंगी। महंगाई बढ़ेगी। एक भूकंप, एक वित्तीय भूकंप, आने वाला है। राहुल गांधी ने एनडीए के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और एलडीएफ के नेतृत्व वाली केरल सरकार द्वारा इस आसन्न संकट से निपटने के प्रयासों पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि एलडीएफ सरकार आपकी सुरक्षा के लिए क्या कर रही है? मोदी कुछ नहीं कर सकते। वह डोनाल्ड ट्रंप के इशारों पर चल रहे हैं। लेकिन केरल सरकार आपकी सुरक्षा के लिए क्या कर रही है? केरल सरकार आपका जीवन आसान बनाने के लिए क्या कर रही है?

ममता बनर्जी ने सीईसी को लिखा पत्र

बंगाल की मतदाता सूची में गड़बड़ी का लगाया आरोप

कोलकाता (हि.स.)। मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 से पहले एक बार फिर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि प्रदेश की मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की कोशिश की जा रही है। अपने पत्र में ममता ने लिखा कि विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी मिली है कि राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय और विभिन्न जिलों में बड़ी संख्या में फॉर्म-6 जमा किए जा रहे हैं। उनके अनुसार यह सामान्य प्रक्रिया नहीं लगती, बल्कि ऐसे लोगों के नाम जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है जो पश्चिम बंगाल के निवासी नहीं हैं। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोग हजारों फर्जी फॉर्म-6 आवेदन जमा कर बाहरी लोगों को मतदाता सूची में शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह मतदाताओं को *हाईजैक* करने की एक कोशिश है। उन्होंने दावा किया कि इसी प्रकार की घटनाएं बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली के चुनावों में भी सामने आई थीं। ममता ने आगे लिखा कि किसी भी संवैधानिक संस्था द्वारा जनता के लोकतांत्रिक और मौलिक अधिकारों को प्रभावित करना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसके कारण कई लोग अपने मताधिकार से वंचित हुए हैं और लगभग 200 लोगों की मृत्यु की खबर भी सामने आई है। राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण ममता ने यह पत्र मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि अपनी पार्टी की प्रमुख के रूप में तृणमूल कांग्रेस के लेटरहेड पर लिखा है। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग से इसमें तुरंत हस्तक्षेप करने और कथित गड़बड़ी को रोकने की मांग की है। इसी मुद्दे पर मंगलवार को पश्चिम मेदिनीपुर के चंद्रकोणा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं, जबकि अन्य राज्यों से लोगों के नाम जोड़ने की कोशिश की जा रही है।

सूरत की इमारत में लगी आग, एक ही परिवार के पांच लोग जिंदा जले

नई दिल्ली। गुजरात के सूरत से भीषण हादसे की खबर सामने आ रही है। जहां लिंबायत मीठी खाड़ी के पास एक सोसाइटी की इमारत में अचानक आग लग गई। इस घटना में एक बच्चे समेत 5 लोग झुलस गए। इन सभी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां पांचों की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के लिंबायत में मीठी खाड़ी के पास एक घर में अचानक आग लग गई। आग में एक महिला और एक बच्चे समेत कुल 5 लोग झुलस गए। घटना की सूचना मिलते ही दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और झुलसे हुए लोगों को अस्पताल पहुंचाया। आग लगते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पा लिया, वहीं झुलसे हुए लोगों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि अस्पताल में सभी पांचों लोगों की मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में कमरे से बड़ी मात्रा में साड़ियां बरामद हुईं। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। आग लगते ही घर में अफरा-तफरी मच गई। चारों ओर धुआं उठता दिखाई दिया। घटना के बाद पूर्व महापौर दक्षेशभाई मावानी, डीसीपी और मुख्य अग्निशमन अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे।

अवैध गतिविधि में धन के दुरुपयोग को रोकने के लिए लाया गया है एफसीआरए विधेयक : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेशी अंशदान (विनियमन) (एफसीआरए) संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर विपक्षी दलों के आरोपों को खारिज करते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि किसी भी अवैध गतिविधियों में धन के दुरुपयोग को रोकने के लिए यह विधेयक लाया गया है। मंगलवार को भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि केरल में वामदलो और कांग्रेस द्वारा कुछ अफवाहें फैलाई जा रही हैं कि भारत सरकार विभिन्न धार्मिक संगठनों की गतिविधियों को रोकने के लिए एफसीआरए संशोधन विधेयक ला रही है। लेकिन प्रस्तावित संशोधन विधेयक केवल भारत में विदेशी धन के विनियमन के लिए, किसी भी अवैध गतिविधि में धन के दुरुपयोग को रोकने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि विदेशों से अवैध रूप से पैसा आता है और उसका इस्तेमाल राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ किया जाता है। इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय हित में प्रस्तावित संशोधन लेकर सरकार लाई है। किरेन रिजिजू ने आरोप लगाया कि वामपंथी दल और कांग्रेस प्रस्तावित संशोधनों को लेकर झूठी अफवाहें फैला रहे हैं, क्योंकि वे केरल विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा को मिल रहे भारी जनसमर्थन से भयभीत हैं। यह विधेयक किसी भी धार्मिक समूह के खिलाफ नहीं है। उन्हें इस तरह के झूठ फैलाना बंद कर देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 25 मार्च को लोकसभा में पेश किया गया था। पेश करते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा था कि इस विधेयक का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना और विदेशों से प्राप्त धन का उचित उपयोग सुनिश्चित करना है।

पृष्ठ एक का शेष

असम में भाजपा के 31 ...

और जनजातीय समुदायों को छोड़कर समान नागरिक संहिता लागू (यूसीसी) लागू करने की बात कही गई है। संकल्प पत्र में आर्थिक विकास को गति देने के लिए भाजपा ने असम गति शक्ति मास्टर प्लान के तहत पांच लाख करोड़ रुपए के निवेश का लक्ष्य रखा है, जिससे असम को देश के पूर्वी द्वार के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अंतर्गत सड़क, रेल, जलमार्ग और हवाई संपर्क का विस्तार, गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास विश्वस्तरीय एयरोसिटी तथा सिलचर में ग्रीनफील्ड डोलू हवाई अड्डा विकसित करने की योजना शामिल है। युवा और महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देते हुए संकल्प पत्र में अगले पांच वर्षों में दो लाख सरकारी नौकरियां देने का वादा किया गया है। मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम अभियान के तहत युवाओं को पांच लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता दी जाएगी। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए केजी से पीजी तक निःशुल्क शिक्षा, 70 हजार से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति और *वन डिस्ट्रिक्ट, वन यूनिवर्सिटी* जैसी पहल की भी बात कही गई है। महिलाओं के लिए *अरुणोदय* योजना की सहायता राशि को चरणबद्ध तरीके से तीन हजार रुपए प्रतिमाह तक बढ़ाने और 15 लाख नए परिवारों को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। *मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान* के तहत 40 लाख *लखपति बाइदेव* तैयार करने की योजना है। कृषि क्षेत्र में छोटे और सीमांत किसानों को 11 हजार रुपए वार्षिक सहायता, ट्रैक्टर व पावर टिलर पर सब्सिडी तथा डेयरी और मत्स्य पालन को बढ़ावा देना का वादा किया गया है। गरीब परिवारों के लिए रियायती राशन योजनाओं को जारी रखने का भी वादा किया गया है। बाढ़ समस्या के समाधान के लिए भाजपा ने 18 करोड़ रुपए की लागत से *बाढ़ मुक्त असम मिशन* की घोषणा की है, जिसमें नदी पुनर्जीवन, तटबंधों को मजबूत करना, कटाव नियंत्रण और राष्ट्रीय जलमार्ग-2 की ड्रेजिंग शामिल है। संस्कृति और विरासत संरक्षण के तहत 2027 तक गुवाहाटी में *अहोम ओइतिज्य संग्रहालय* स्थापित करने, स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा देने और असम के ऐतिहासिक नायकों को पाठ्यक्रम में शामिल करने की बात कही गई है। जनजातीय और चाय जनजाति समुदायों के लिए अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिलाने के प्रयास, भूमि अधिकार, मजदूरी बढ़ाकर 500 रुपए तक करने और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का भी संकल्प पत्र में उल्लेख है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 15 लाख अतिरिक्त पक्के मकान बनाने और 50 हजार करोड़ रुपए के *असम स्वास्थ्य उत्कर्ष अभियान* के माध्यम से राज्य को स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है। भाजपा ने संकल्प पत्र के माध्यम से वर्ष 2036 तक असम की अर्थव्यवस्था को 300 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए एक आत्मनिर्भर, समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से सशक्त असम का विजन प्रस्तुत किया है। असम की सभी 126 विधानसभा सीटों के लिए मतदान नौ अप्रैल को एक ही चरण में होगा, जबकि वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

सत्ता में आए तो...

प्रभावित किए बिना, हम तीन महीने के भीतर समान नागरिक संहिता लागू करेंगे। हम लव जिहाद और भूमि जिहाद के खिलाफ सख्त कानून भी ला रहे हैं। शर्मा ने आगे कहा कि अवैध अप्रवासी निष्कासन अधिनियम 1950 को भी लागू किया जाएगा, जो 24 घंटे के भीतर अवैध अप्रवासियों को कानूनी रूप से निष्कासित करने का अधिकार देगा। उन्होंने कहा कि हम असम के जिला आयुक्तों को अवैध अप्रवासी निष्कासन अधिनियम 1950 को लागू करने का अधिकार देंगे, जिसके तहत जिला कलेक्टर या जिला मजिस्ट्रेट को 24 घंटे के भीतर किसी भी विदेशी को निष्कासित करने का अधिकार है। हम अपनी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने वालों के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। हम बांग्लादेशी घुसपैठियों से अपनी जमीन का एक-एक इंच सुरक्षित करेंगे, उन्होंने आगे कहा। रोजगार क्षेत्र पर बोलते हुए, असम के मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि युवाओं के लिए कम से कम 2 लाख रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे। इसके साथ ही, सरकार का उद्देश्य महिलाओं के मासिक भत्ते में वृद्धि करना, समाज के गरीब वर्ग को आश्रय उपलब्ध कराना और चाय बागान श्रमिकों की दैनिक मजदूरी बढ़ाना भी है। उन्होंने कहा कि हमने 2 लाख सरकारी नौकरियां सृजित करने, महिलाओं को मिलने वाले मासिक भत्ते को 1500 रुपए से बढ़ाकर 3000 रुपए करने और चरणबद्ध तरीके से 15 लाख सबसे गरीब लोगों के लिए घर बनाकर आश्रय प्रदान करने का संकल्प लिया है। हम अपने चाय बागान श्रमिकों को भूमि अधिकार भी देंगे और उनकी दैनिक मजदूरी बढ़ाएंगे।

पीएम मोदी की रैली...

देखा जा रहा है। कार्यक्रम स्थल पर तैयारियां अंतिम चरण में हैं और बड़ी संख्या में लोगों के आने की व्यवस्था की जा रही है। शुरुआती अनुमानों में लगभग 40,000 लोगों के आने की बात कही गई थी, लेकिन पार्टी नेताओं को अब 60,000 से 70,000 लोगों के आने की उम्मीद है। बिहाली के मौजूदा विधायक दिगंता घाटवाल ने मंगलवार को प्रधानमंत्री की यात्रा से पहले जनता के भारी उत्साह का हवाला देते हुए, संभावित प्रतिक्रिया पर विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कल बिहाली, विश्वनाथ और गोहपुर निर्वाचन क्षेत्रों के लिए चुनाव प्रचार करने आ रहे हैं। लोगों में जबरदस्त उत्साह है और उनके स्वागत की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। घटोवाल ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के दोपहर करीब 1 बजे पहुंचने का कार्यक्रम है और बिहाली जाने से पहले गोगमुख में एक और जनसभा को संबोधित करने की उम्मीद है। उन्होंने पुष्टि करते हुए कहा कि हमें लगभग 60,000 से 70,000 लोगों के आने की उम्मीद है। पार्टी सूत्रों का मानना है कि यह रैली कार्यकर्ताओं में जोश भरने और क्षेत्र में समर्थन मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, और मोदी की उपस्थिति से भाजपा की चुनावी संभावनाओं को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इस बीच, यात्रा से पहले विश्वनाथ जिले भर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए राज्य पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के बीच समन्वय के साथ सुरक्षा के कई स्तर स्थापित किए गए हैं।

असम में महिलाएं ...

जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होने की प्रक्रिया में है, जिससे उनकी हिस्सेदारी और भी बढ़ जाएगी। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के कारण ही संभव हो पाया है। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए, ईरानी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव व्यापक राष्ट्रीय चिंताओं से जुड़े हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह चुनाव सिर्फ एक विधायक को चुनने या हिमंत विश्व शर्मा को फिर से मुख्यमंत्री बनाने के बारे में नहीं है। यह चुनाव देश से हर घुसपैठिए को बाहर निकालने के बारे में है। कांग्रेस को निशाना बनाते हुए, ईरानी ने पार्टी पर अतीत में अवैध प्रवासियों को संरक्षण देने और राज्य को कमजोर करने का आरोप लगाया। मतदाता सूची में केवल भारतीयों को ही शामिल किया जाना चाहिए। जब चुनाव आयोग मतदाता सूची में संशोधन करना चाहता था, तो कांग्रेस ने इसका विरोध क्यों किया? क्या वे भारतीयों की रक्षा करना चाहते हैं या घुसपैठियों की? उन्होंने कहा। अतीत में हुई हिंसा का जिक्र करते हुए उन्होंने 2004 के धेमाजी विस्फोट का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ये निर्दोष लोग मारे गए। उनकी गलती क्या थी? असम पर ऐसे काले बादल छा गए थे कि निर्दोषों ने अपनी जान गंवा दी। वर्तमान स्थिति के विपरीत, ईरानी ने बेहतर सुरक्षा के लिए केंद्र और राज्य सरकार को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि आज हर कोई बिना किसी डर के राष्ट्रीय ध्वज फहरा सकता है। यह सरकार की नीतियों का परिणाम है। उन्होंने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ की गई कार्रवाई पर भी प्रकाश डाला। ईरानी ने कहा कि 1.65 लाख बीघा से अधिक भूमि पर अतिक्रमणकारियों को हटाया जा चुका है।

असम को विकास और ...

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे पूर्वोत्तर के विकास को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज जब पूर्वोत्तर की बात होती है तो विकास की बात होती है। कनेक्टिविटी की बात होती है। *अष्टलक्ष्मी* की बात होती है। यहां के संभावना की बात होती है। प्रगति की बात होती है। समृद्धि की बात होती है। आज, असम नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। यह विकास का केंद्र बन रहा है। असम पूरे पूर्वोत्तर के विकास का इंजन बनकर उभर रहा है। जब असम आगे बढ़ेगा, तो पूरे भारत के विकास को रफ्तार मिलेगी। जब असम विकसित होगा तब ही भारत विकसित होगा। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों में भाजपा के शासन में असम की अर्थव्यवस्था लगभग तीन गुना बढ़ गई है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के कार्यकाल में असम देश की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनकर सामने उभरा है। आज जब सरकार की सही नीति और नियति के साथ असम के लोगों की मेहनत और ऊर्जा मिली है तो असम ने विकास की रफ्तार पकड़ी है। यहां उद्योग बढ़ा है। निवेश बढ़ा है। और तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि असम ने 2030 तक अपनी अर्थव्यवस्था को लगभग डेढ़ सौ बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। मुझे पूरा विश्वास है कि असम इस लक्ष्य को जरूर हासिल करेगा। चिकित्सा हो या शिक्षा, आधारभूत संरचना हो या उद्योग, आज असम हर क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि कर रहा है। यहां नए एम्स और आईआईएम जैसे संस्थान बन रहे हैं। हमारी सरकार ने 2035 तक असम के कई हजार स्कूलों को आधुनिक *ड्रीम हब* में विकसित करने का निर्णय लिया है। इससे यहां के बच्चों को और भी बेहतर शिक्षा मिलेगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि यहां पहले 6 मेडिकल कॉलेज थे, अब 14 बन चुके हैं और 10 और बनने हैं। आज असम का स्वास्थ्य बजट 4000 करोड़ रुपए से बढ़कर 9000 करोड़ रुपए हो गया है। हमारी डबल इंजन की सरकार किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए लगातार काम कर रही है। पिछले वर्ष असम के नामरूप में प्रधानमंत्री ने यूरिया प्लांट की भी नींव रख दी है। हमने असम की कनेक्टिविटी बढ़ाने पर भी जोर दिया है। 2009 से 2014 के मुकाबले हमारी सरकार ने असम के रेलवे बजट को 4 गुना से ज्यादा बढ़ा दिया है। आज असम का रेलवे बजट 10,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। पूर्वोत्तर को शिलांग-सिलचर हाई-स्पीड कॉरिडोर भी मिलने वाला है। यह पूर्वोत्तर का पहला प्रवेश नियंत्रित उच्च गति गलियारा होगा। असम में 2014 तक सिर्फ 7 रूट्स पर फ्लाइट्स ऑपरेट होती थीं। लेकिन अब करीब-करीब 30 रूट्स पर फ्लाइट्स चलने लगी हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 6-7 दशकों में यहां केवल तीन बड़े पुल ही बन पाए थे। पिछले सिर्फ दस वर्षों के दौरान हमने चार नए मेगा ब्रिज बनाए हैं। आज बोगीबील और धोला-सदिया जैसे विशाल पुलों ने असम की कनेक्टिविटी को नई ताकत दी है। आज असम बदल रहा है। आज असम शांति, विकास और विश्वास की राह पर आगे बढ़ रहा है। जो राज्य कभी उग्रवाद की खबरों से सुर्खियों में रहता था, आज निवेश सम्मिट के लिए जाना जा रहा है। सही नीतियां और मजबूत इच्छाशक्ति हो तो डर और हिंसा के दौर को पीछे छोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमने असम में सेमीकंडक्टर की परियोजना को आगे बढ़ाया है। इससे यहां के युवाओं को नए अवसर मिलेंगे।

टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं ...

बैठकर नारेबाजी करने लगे। हालांकि, युवक के पास मौजूद दस्तावेज फॉर्म-6 ही थे या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। इसी दौरान भाजपा कार्यकर्ता भी वहां पहुंच गए और उन्होंने आरोप लगाया कि उनके एक कार्यकर्ता के साथ मारपीट की गई है। इसके विरोध में भाजपा ने भी सीईओ कार्यालय के सामने प्रदर्शन शुरू कर दिया। दोनों पक्षों के बीच नारेबाजी और विरोध के चलते माहौल तनावपूर्ण हो गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच बैरिकेडिंग की, लेकिन कुछ लोग बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे। इस दौरान दोनों पक्षों में झड़प हुई और कई बाइकें सड़क पर गिर गईं। हालात काबू से बाहर होते देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। कल तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया था कि भाजपा अन्य राज्यों के लोगों के नाम बंगाल की मतदाता सूची में जोड़ने की कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस मुद्दे पर मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर शिकायत की है। गौरतलब है कि फॉर्म-6 का उपयोग मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए किया जाता है। यह उन लोगों के लिए आवश्यक होता है जो पहली बार वोटर बनना चाहते हैं या एक निर्वाचन क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में स्थानांतरित हुए हैं।

नालंदा शीतला माता ...

गया है। एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंच गई है और सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की लापरवाही सामने आने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी (डीएम) कुंदन कुमार ने बताया कि घटना के बाद तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। मृतकों के परिजनों को 6-6 लाख रुपए मुआवजा दे दिया गया है। अब तक 8 में से 7 मृतकों की पहचान हो चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि 7 घायल लोगों का इलाज चल रहा है, जिनमें से सभी की हालत स्थिर है, जबकि एक को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। दीपनगर थाने के एसएचओ राजमणि को निलंबित कर दिया गया है। मृतकों की सूचीरीता देवी (बिहारशरीफ), रेखा देवी (नूरसराय), अनुष्का (देवी रहुई), कांति देवी (नवादा), देवंती देवी (इस्लामपुर), मालो देवी (हिलसा), चिंता देवी (रहुई), कांति देवी (दीपनगर), गुड़िया देवी (सालूगंज मोहल्ला) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मंदिर परिसर में न तो सुरक्षा का कोई इंतजाम था और न ही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए किसी पुलिसकर्मी को तैनात किया गया था। मेले की पहले से जानकारी होने के बाद भी प्रशासन की तरफ से यहां किसी मजिस्ट्रेट को तैनात नहीं किया गया था। घटना स्थल से 30 किलोमीटर की दूरी पर राष्ट्रपति आने वाली थीं, वहां 8 जिले के ढाई हजार जवान तैनात किए गए थे। इस बीच केंद्र और राज्य सरकार ने पीड़ितों के परिवारों को अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम राहत कोष (पीएमएनआरएफ)से मृतकों के परिवारों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है, जबकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मृतकों के आश्रितों को आपदा प्रबंधन विभाग से 04-04 लाख रुपए एवं मुख्यमंत्री राहत कोष से (सीएमडीआरएफ) 02-02 लाख रुपए (कुल 06 लाख रुपए) अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर वरीय अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने माता शीतला देवी मंदिर में हुए भगदड़ में श्रद्धालुओं की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह घटना काफी दुखद है और मैं इससे मर्माहत हूं। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने भी हादसे पर दुख जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि नालंदा के मघड़ा स्थित माता शीतलाष्टमी मंदिर में हुई भगदड़ की यह अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक घटना हम सभी के लिए गहरी पीड़ा का विषय है। इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में अपने प्राण गंवाने वाले श्रद्धालुओं को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। साथ ही, घायल हुए सभी भक्तों के शीघ्र एवं पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करता हूं। इस कठिन समय में राज्य सरकार और हम सभी उनके साथ मजबूती से खड़े हैं। बिहार सरकार में मंत्री विजय चौधरी ने नालंदा कि घटना को अत्यंत दुःखद बताया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। घायलों को सरकारी खर्चे पर इलाज की सुविधा दी जा रही है। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने नालंदा के मघड़ा के शीतला माता मंदिर में भगदड़ मचने से श्रद्धालुओं की मृत्यु और कई लोगों के घायल होने की घटना पर शोक संवेदना प्रकट की है।

पाकिस्तान की गैस ...

जबरदस्त था कि पाइपलाइन का बड़ा हिस्सा पूरी तरह से तबाह हो गया और आग की लपटें दूर-दूर तक दिखाई देने लगी। धमाके के तुरंत बाद एसएसजीसी की टेक्निकल टीम मौके पर पहुंची। मुख्य वालव बंद किया और आग पर किसी तरह काबू पाया गया। लेकिन सुरक्षा कारणों से गैस सप्लाई पूरी तरह से रोक दी गई है। इसका असर सीधे क्वेटा शहर और अपर बलूचिस्तान के कई इलाकों पर पड़ा है। एयरपोर्ट रोड, नवानकली, जिन्ना टाउन, कुचलक और कई ऐसे इलाके हैं जहां पर अब पूरी तरह से गैस सप्लाई ठप हो चुकी है। हालात ऐसे हैं कि लोगों के घरों में चूल्हे तक नहीं जल पा रहे और पहले से चल रहे ऊर्जा संकट ने अब और इसे विकराल रूप दे दिया है। पुलिस और काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अब राशन की ...

शामिल किया गया है। यह योजना फिलहाल 29 मार्च से शुरू होकर अगले 60 दिनों के लिए लागू की गई है। इस दौरान लोग अपने नजदीकी राशन डिपो से उचित सरकारी रेट पर तेल ले सकेंगे। राशन की दुकानों के अलावा प्रशासन हर जिले में दो ऐसे पेट्रोल पंप भी तय करेगा जहां से केरोसीन खरीदा जा सकेगा, हालांकि इन पंपों के लिए 5000 लीटर स्टॉक की अधिकतम सीमा तय की गई है। केंद्र ने इस पूरी व्यवस्था के लिए राज्यों को उनके नियमित कोटे से अलग 48,000 किलोलीटर अतिरिक्त तेल भी जारी कर दिया है। हर परिवार को कितना तेल मिलेगा, इसका फैसला राज्य सरकारें अपने पास मौजूद स्टॉक और स्थानीय मांग को ध्यान में रखकर करेंगी। हालांकि, सरकार ने इसके इस्तेमाल को लेकर सख्त हिदायत दी है। इस केरोसीन का उपयोग केवल घर में खाना पकाने या रोशनी (लालटेन आदि) के लिए ही किया जा सकेगा। इसे किसी भी तरह के कमर्शियल काम या फैक्ट्री जैसे औद्योगिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं होगी। पेट्रोलियम मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भले ही वैश्विक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हों, लेकिन सरकार देश में ऊर्जा की कमी नहीं होने देगी। पहले सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत केरोसीन की सप्लाई कई राज्यों में बंद कर दी गई थी, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए इसे अस्थाई तौर पर फिर से शुरू किया गया है ताकि आम आदमी की रसोई पर कोई आंच न आए।

हिम्मत दिखाओ, होर्मुज ...

बदलाव का भी संकेत दिया, जिससे पता चलता है कि देशों को भविष्य में अमेरिकी हस्तक्षेप पर कम निर्भर रहने की आवश्यकता हो सकती है। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य की वजह से जिन देशों को जेट ईंधन नहीं मिल पा रहा है, जैसे कि यूनाइटेड किंगडम, जिसने ईरान को तबाह करने में शामिल होने से इनकार कर दिया, उनके लिए मेरा एक सुझाव है: नंबर 1, अमेरिका से खरीदें, हमारे पास पर्याप्त मात्रा में है, और नंबर 2, कुछ देर बाद हिम्मत जुटाएं, जलडमरूमध्य पर जाएं और उसे अपने कब्जे में ले लें। ट्रंप ने कहा कि आपको खुद के लिए लड़ना सीखना होगा, अमेरिका अब आपकी मदद के लिए नहीं होगा, ठीक वैसे ही जैसे आप हमारी मदद के लिए नहीं थे। ईरान लगभग पूरी तरह से तबाह हो चुका है। मुश्किल काम हो चुका है। जाओ अपना तेल खुद हासिल करो!

असम चुनाव में 39 ...

की है, जो चुनावी क्षेत्र में स्पष्ट असमानताओं को दर्शाती है। प्रमुख राजनीतिक दलों में धन का प्रभाव विशेष रूप से स्पष्ट है। भाजपा के उम्मीदवारों में से 90 में से 79, यानी 88 प्रतिशत, करोड़पति हैं। कांग्रेस के 99 उम्मीदवारों में से 60 यानी 61 प्रतिशत उम्मीदवारों ने 1 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति घोषित की है, जबकि एआईयूडीएफ के 30 उम्मीदवारों में से 16 यानी 53 प्रतिशत उम्मीदवारों ने 1 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति घोषित की है। एडीआर की रिपोर्ट में धन के शीर्ष पर तीन ऐसे उम्मीदवारों की पहचान की गई है जिनकी घोषित संपत्ति असाधारण रूप से अधिक है। हैलाकांडी निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार राहुल रॉय 261 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति के साथ सबसे आगे हैं। उनके बाद बिन्नाकांडी से चुनाव लड़ रहे एआईयूडीएफ प्रमुख मौलाना बदरुद्दीन अजमल हैं, जिन्होंने 226 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति घोषित की है। तीसरे स्थान पर रोंगोनडी से कांग्रेस उम्मीदवार जयंता खांड हैं, जिनकी संपत्ति 67 करोड़ रुपए से अधिक है। आंकड़ों से आर्थिक स्थिति में भारी अंतर भी उजागर होता है। दो उम्मीदवारों ने शून्य संपत्ति घोषित की है, जबकि कई अन्य ने केवल कुछ सौ या हजार रुपए की संपत्ति बताई है, जो चुनाव में शामिल लोगों के बीच व्यापक आर्थिक असमानता को दर्शाती है। एडीआर विश्लेषण असम की चुनावी राजनीति में एक लगातार बनी रहने वाली प्रवृत्ति को रेखांकित करता है, जहां वित्तीय ताकत पार्टी लाइनों के बावजूद उम्मीदवार चयन में निर्णायक भूमिका निभाती रहती है।

सोनिया गांधी को ...

दी गई। सर गंगा राम अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप के अनुसार सोनिया गांधी को 24 मार्च की रात 10:22 बजे बुखार के चलते सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉ. डीएस राणा, डॉ. एस. नंदी और डॉ. अरूप बसु की देखरेख में उन्हें एक सिस्टमिक इन्फेक्शन के लिए एंटीबायोटिक्स से इलाज दिया गया और उन्होंने इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दी। अब वे ठीक हो चुकी हैं और आज सुबह उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, ताकि घर पर उनका आगे का इलाज और फॉलो-अप हो सके।अनुपात के पास पर्याप्त धन होने के कारण, ये निष्कर्ष एक बार फिर धन शक्ति और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के बीच बढ़ते गठजोड़ को लेकर चिंताओं को उजागर करते हैं।

तापमान

अधिकतम 29⁰ न्यूनतम 20⁰

असम चुनाव के लिए भाजपा का *संकल्प पत्र* 3 लाख से अधिक लोगों के सुझावों से हुआ तैयार : सोनोवाल

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा नेता सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि असम विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का *संकल्प पत्र* बड़े पैमाने पर लोगों से सलाह-मशविरा के बाद तैयार किया गया है। इसमें तीन लाख से अधिक लोगों ने अपने सुझाव दिए हैं। गुवाहाटी स्थित पार्टी मुख्यालय में मंगलवार को भाजपा ने असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अपना *संकल्प पत्र* (मैनिफेस्टो) जारी किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और सर्बानंद सोनोवाल, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया और अन्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम में सोनोवाल ने घोषणापत्र बनाने की प्रक्रिया के बारे में बताते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ता पूरे राज्य में लोगों से सीधे उनकी राय जानने के लिए उनके पास पहुंचे। हम असम के हर हिस्से में लोगों के पास गए। घर-घर जाकर लोगों से सुझाव लिए कि अगले कार्यकाल में क्या किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कवायद का मकसद नीतिगत प्राथमिकताओं को लोगों की राय के आधार पर तय करना था। उनके मुताबिक 3 लाख से अधिक लोगों ने अपने सुझाव दिए हैं। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा कि पार्टी के एक बार फिर से सत्ता में आने पर वह इन्हीं सुझावों पर भरोसा करेगी। उन्होंने कहा कि इस दस्तावेज के आधार पर हम तीसरे कार्यकाल में काम करेंगे। चुनावी संभावनाओं के बारे में बात करते हुए सोनोवाल ने भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के मजबूत प्रदर्शन पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि मैं बार-बार कह रहा हूं कि हम अपने सहयोगियों के साथ 100 के आंकड़े के करीब हैं, जो 126 सदस्यों वाली असम विधानसभा में पार्टी के लक्ष्य की ओर इशारा करता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि *संकल्प पत्र* भाजपा के चुनावी अभियान की कहानी में एक अहम भूमिका निभाएगा, क्योंकि पार्टी इसे चुनावों से पहले लोगों द्वारा तय किए गए एजेंडे के तौर पर पेश कर रही है।

डिमोरिया-रहा-बरखेत्री-कमलपुर मेरे लिए प्रेरणा के स्रोत : मुख्यमंत्री शर्मा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि डिमोरिया, रहा, बरखेत्री और कमलपुर क्षेत्र उनके लिए केवल विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि उनके कार्य और सेवा की प्रेरणा के स्रोत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कार्यकाल में उनकी सरकार ने दिन-रात एक करके इन क्षेत्रों में विकास की मजबूत नींव रखी है। अब समय आ गया है कि इस नींव को और अधिक सशक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि रूपांतरण की नई यात्रा के उत्साह के साथ वह शीघ्र ही इन क्षेत्रों के लोगों के बीच पहुंच रहे हैं और विकास की गति को और तेज करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उल्लेखनीय की मुख्यमंत्री आज चुनाव प्रचार करने इन क्षेत्रों में पहुंचने वाले हैं।

फडणवीस ने गौरव गोगोई से पाकिस्तान दौरे पर स्पष्टीकरण मांगा, असम में भाजपा की हैट्रिक का जताया भरोसा

गुवाहाटी (हिंस)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कांग्रेस नेता गौरव गोगोई के कथित पाकिस्तान दौरे को लेकर उनसे स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसी भी *दुश्मन देश* के साथ जुड़ाव को देश की जनता सकारात्मक रूप से नहीं देखती। भाजपा के स्टार प्रचारक के रूप में असम दौरे पर पहुंचे फडणवीस ने कहा कि इस मामले पर पारदर्शिता जरूरी है और गोगोई को सामने आकर जवाब देना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल उनका मुख्य ध्यान राज्य में पार्टी के पक्ष में चुनाव प्रचार पर केंद्रित है। आगामी असम विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर विश्वास जताते हुए फडणवीस ने कहा कि भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी करेगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में पार्टी अपने पिछले प्रदर्शन से बेहतर परिणाम हासिल कर सकती है। राज्य में विकास की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में असम में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने *डबल इंजन* सरकार की नीतियों को इसका प्रमुख कारण बताया, जिसके चलते विकास और सुशासन को मजबूती मिली है। फडणवीस ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि वे विकास और मजबूत नेतृत्व के नाम पर भाजपा का समर्थन करें तथा प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व को आगे बढ़ाएं। उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक अनुभव का हवाला देते हुए कहा कि राज्य में भाजपा के पक्ष में मजबूत माहौल बन चुका है, जो एक बड़े जनादेश में बदल सकता है। इससे पहले मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भी पार्टी की जीत को लेकर भरोसा जताया था और जनसभाओं में मिल रहे व्यापक जनसमर्थन का उल्लेख किया था।

असम में भाजपा का संकल्प पत्र जारी करने के दौरान असमिया परिधान में दिखीं निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली/गुवाहाटी (हिंस)। असमिया संस्कृति का पारंपरिक पहनावा और खानपान सदैव लोगों को आकर्षित करता रहा है। इसकी झलक मंगलवार को उस समय देखने को मिली, जब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए भाजपा का संकल्प पत्र जारी करने गुवाहाटी स्थित पार्टी मुख्यालय पहुंचीं। संकल्प पत्र विमोचन समारोह में शामिल हुईं वित्त मंत्री का परिधान पूरी तरह पारंपरिक असमिया था। *मूंगा* रेशम से निर्मित सुनहरे रंग का *मेखेला चादर* पहनकर वह मंच पर पहुंचीं। उनके पहनावे को देखकर उपस्थित लोग असम की समृद्ध संस्कृति और परंपरा पर गर्व महसूस करते हुए उनकी सराहना करते नजर आए। संकल्प पत्र जारी करने के बाद केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भाजपा का घोषणा पत्र असम में एक दशक के परिवर्तन पर आधारित है। समारोह में केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया एवं अन्य लोग उपस्थित थे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कई मौके पर असमिया गामोछा धारण कर उसे वैश्विक पहचान दिला चुके हैं। अब वित्त मंत्री सीतारमण ने भी असमिया महिलाओं के पारंपरिक परिधान को नई पहचान देने का कार्य किया है। **मेखेला चादर :** असम की महिलाओं का पारंपरिक दो-पीस वाला परिधान है, जो साड़ी जैसा दिखता है। इसमें एक कमर से नीचे पहनी जाने वाली स्कर्टनुमा मेखेला और ऊपर कंधे पर लपेटी जाने वाली चादर (ओढ़नी) होती है। यह मूगा सिल्क, पाट सिल्क या सूती कपड़े से बनी होती है। इसे साड़ी की तुलना में पहनना बहुत आसान और आरामदायक माना जाता है। यह परिधान पारंपरिक समारोहों, विशेषकर बिहू और शादियों में बेहद लोकप्रिय है।

असम में अब विकास और आधारभूत संरचना की होती है बात : राजनाथ सिंह

गोलाघाट (हिंस)। असम विधान सभा चुनाव 2026 के मद्देनजर मंगलवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में चुनवी सभाओं में हिस्सा लेते हुए भाजपा सरकार के पूर्वोत्तर के विकास के लिए उठाए गए कदमों को गिनाया। उन्होंने कहा कि अब असम में विकास और आधारभूत संरचना की बात होती है। रक्षा मंत्री सिंह आज शोणितपुर जिले के तेजपुर और गोलाघाट जिला के देरगांव विधान सभा क्षेत्रों में चुनावी सभाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने देरदाव में चुनावी सभा में उपस्थित लोगों से कहा कि कांग्रेस के कुशासन में असम की पहचान अशांति और इन्सर्जेंसी के साथ जुड़ी थी। कांग्रेस ने असम समेत पूर्वोत्तर की अनदेखी की लेकिन अब असम में आधारभूत संरचना की बात होती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर अपराध, अलगाववाद, नक्सलवाद और उग्रवाद से निकलकर प्रगति, विकास और समृद्धि की राह पर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में दशकों तक भ्रष्टाचार चरम पर था, लेकिन आज *सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास* के तहत असम के लोगों को सुरक्षा, सम्मान और गरिमा वापस मिली है। कांग्रेस असम में बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसाकर वोट बैंक मजबूत करना चाहती है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के द्वारा राज्य में चलाए गए विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अगली सरकार में इसे और तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

जालुकबाड़ी और वशिष्ठ में भारी मात्रा में नकदी जब्त

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जालुकबाड़ी और वशिष्ठ थाना क्षेत्रों में पुलिस द्वारा चलाए गए नियमित जांच अभियान के दौरान भारी मात्रा में नकदी जब्त की गई है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि जालुकबाड़ी में पश्चिम गुवाहाटी के एसीपी और जालुकबाड़ी पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में नाका जांच के दौरान 25 लाख रुपए बरामद किए गए। यह राशि नलबाड़ी निवासी सागर मल्ल बुजरबरुवा नामक व्यक्ति के पास से मिली। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि यह पैसा उसके निजी फार्मेसी व्यवसाय के लिए लाया जा रहा था। वहीं, वशिष्ठ थाना क्षेत्र के माइखुली में पुलिस जांच के दौरान चार लाख 66 हजार 800 रुपए नकद बरामद किए गए। यह रकम एक मणिपुरी समुदाय की महिला के पास से मिली। वशिष्ठ पुलिस ने बरामद नकदी को आगे की जांच के लिए फ्लाइंग स्क्वॉड को सौंप दिया है। फिलहाल फ्लाइंग स्क्वॉड द्वारा पैसे के स्रोत का पता लगाया जा रहा है और जांच जारी है।

असम की संस्कृति और सुरक्षा के हित में प्रज्ञा का शत-प्रतिशत मतदान का आह्वान

गुवाहाटी (हिंस)। आसन्न असम विधानसभा चुनाव में अब केवल कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। इस बीच राज्य की वर्तमान परिस्थितियों और भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन प्रज्ञा ने एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक अपील जारी की है। इस अपील के माध्यम से राज्य के नागरिकों से असम की पहचान, संस्कृति और सुरक्षा से जुड़े जटिल मुद्दों पर गंभीरता से विचार करते हुए शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है। इस सार्वजनिक अपील पर दो सौ से अधिक विशिष्ट नागरिकों ने हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें सत्राधिकार, धार्मिक गुरु, कुलपति, कलाकार, साहित्यकार, पूर्व सैन्य अधिकारी, प्राध्यापक और अधिवक्ता शामिल हैं। अपील में विशेष रूप से विभाजन के बाद निचले असम से ऊपरी असम की ओर तेजी से हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तन को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की गई है। बढ़ते प्रवासन के प्रभाव के कारण कई क्षेत्रों में स्थानीय लोगों को अपने निवास स्थान बदलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे उनकी भाषा, संस्कृति और भूमि पर खतरा उत्पन्न हो रहा है। प्रज्ञा ने इस महत्वपूर्ण चुनावी समय में ठोस निर्णय लेने की आवश्यकता पर जोर देते हुए जनता से ऐसे उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों को चुनने का आह्वान किया है, जो असम की जनसंख्या संरचना की रक्षा और स्थानीय लोगों के अधिकारों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध हों। साथ ही, प्राकृतिक संसाधनों और वन्यजीवों के संरक्षण को भी चुनावी एजेंडे का हिस्सा बनाने पर बल दिया गया है। अपील में राज्य की नई पीढ़ी को सुरक्षित रखने के लिए नशे और ड्रग्स के खिलाफ कठोर नीतियां अपनाने वाले दलों को समर्थन देने की बात कही गई है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रविरोधी और स्थानीय विरोधी ताकतों द्वारा फैलाए जा रहे दुष्प्रचार के प्रति सतर्क रहने का भी आग्रह किया गया है। भूमि अधिकारों के मुद्दे पर स्पष्ट रूप से कहा गया है कि अतिक्रमण मुक्त शासन और स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देने वाली नीतियां अपनाना आवश्यक है। शांति और स्थिरता के महत्व को रेखांकित करते हुए अपील में कहा गया है कि असम को हिंसा, बम विस्फोट और बंद जैसे पुराने दौर में लौटने के बजाय एक सक्षम और स्थिर सरकार का चुनाव करना चाहिए।

बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म की बोड़ोलैंड में मनाई गई जयंती

कोकराझाड़ (हिंस)। बोड़ो समुदाय के सर्वाधिक चर्चित नेता एवं विचारक बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म की 70वीं जयंती आज बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) प्राधिकरण द्वारा गहरी श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस पावन अवसर पर कोकराझाड़ के बोडोफा नगर स्थित बीटीसी सचिवालय के सामने स्थापित उनकी प्रतिमा पर तथा दोतमा स्थित उनके समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। यह श्रद्धांजलि बोड़ो समुदाय के प्रति उनके अमूल्य योगदान के प्रति गहरे सम्मान का प्रतीक रही। बीटीसी के कार्यकारी सदस्य देर्हसाथ बसुमतारी के नेतृत्व में यह श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सचिव, वरिष्ठ अधिकारी एवं बीटीसी सचिवालय के कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने पुष्प अर्पित कर बोडोफा के जीवन, आदर्शों तथा बोड़ो समाज के कल्याण, गरिमा और एकता के लिए उनके निस्वार्थ समर्पण को स्मरण किया। यह आयोजन अत्यंत श्रद्धा और कृतज्ञता के भाव के साथ संपन्न हुआ। वक्ताओं और प्रतिभागियों ने महान नेता की अमर विरासत पर प्रकाश डाला, जिनकी दूरदर्शिता और अथक प्रयास आज भी नई पीढ़ियों को सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक प्रगति और सामुदायिक एकता की दिशा में प्रेरित करते हैं। बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म को बोड़ो समुदाय के अधिकारों और आकांक्षाओं के सबसे बड़े अग्रदूत के रूप में जाना जाता है और उनकी जयंती हर वर्ष सामूहिक स्मरण तथा उनके आदर्शों के प्रति नई प्रतिबद्धता के रूप में मनाई जाती है।

नगांव में चुनाव सुरक्षा को लेकर अहम संयुक्त बैठक

नगांव (निसं)। आगामी 9 अप्रैल को पूरे राज्य के साथ-साथ नगांव जिले में होने वाले असम विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए जिले की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। पुलिस लाइन के सभागार में आयोजित इस बैठक में जिले में तैनात सभी सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारी और चुनाव आयोग के पुलिस पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त देवाशीष शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त पुलिस पर्यवेक्षक जी शिवकुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के डिप्टी कमांडेंट मनीष कुमार सहित केंद्रीय अर्धसैनिक बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, सीमा सुरक्षा बल और जिला पुलिस प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में पुलिस पर्यवेक्षक जी शिवकुमार ने चुनावी ड्यूटी के लिए जिले में तैनात केंद्रीय अर्धसैनिक बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों के साथ सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने चुनाव के दौरान केंद्रीय बलों की भूमिका और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए। वहीं, उपायुक्त देवाशीष शर्मा ने चुनाव के दौरान जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और पूरे चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक सुझाव दिए और अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया। बैठक के अंत में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास ने सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखते हुए भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी पर जोर दिया। बैठक के बाद, स्थायी शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आम जनता में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से उपायुक्त देवाशीष शर्मा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास के नेतृत्व में सामागुड़ी विधानसभा क्षेत्र के संवेदनशील इलाकों में विशेष फ्लैग मार्च और एरिया डोमिनेशन कार्यक्रम चलाया गया। इस अभियान के माध्यम से प्रशासन ने क्षेत्र की समग्र सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अपनी तत्परता दिखाई। वरिष्ठ अधिकारियों की इस सक्रिय मौजूदगी से संवेदनशील माने जाने वाले क्षेत्रों में लोगों के बीच विश्वास बढ़ा है और शांति एवं सौहार्द बनाए रखने का सकारात्मक संदेश गया है।

सामागुड़ी में डीसी-एसपी का फ्लैग मार्च

रंगिया में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई महावीर जयंती

रंगिया (विभास)। देशभर के साथ-साथ आज रंगिया में भी भगवान महावीर जयंती पूरे हर्षोल्लास और दिनभर के विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाई गई। इस अवसर पर स्थानीय दिगंबर जैन मंदिर से आज सुबह एक विशाल धार्मिक शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यह भव्य शोभायात्रा नगर के विभिन्न हिस्सों का भ्रमण करने के बाद पुनः मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई। महावीर जयंती के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर में सुबह से ही प्रभात फेरी, अभिषेक, शांतिधारा और आरती जैसे कई धार्मिक अनुष्ठान विधि-विधान के साथ संपन्न किए गए। मंदिर प्रबंधन समिति के सचिव राज पहाड़िया ने बताया कि आज शाम मंदिर परिसर में विभिन्न सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। भगवान महावीर के जन्मोत्सव को लेकर पूरे रंगिया क्षेत्र में उत्सव का माहौल है और श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

महावीर जयंती पर मुख्यमंत्री शर्मा ने दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को महावीर जयंती के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए भगवान महावीर को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि भगवान महावीर द्वारा दिखाए गए करुणा, अहिंसा और आत्मसंयम के मार्ग पर चलकर एक विकसित, शांतिपूर्ण और मानवीय समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से इन मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह भगवान महावीर के जीवन और संदेश के आधार रहे हैं, जो आज भी मानवता को सही दिशा प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्याग, संयम, प्रेम और करुणा का उनका मार्ग आज भी प्रासंगिक है और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है। इस अवसर पर उन्होंने सभी देशवासियों को महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

होजाई में अभामस की सभा आयोजित

नई कार्यकारिणी गठित, प्रियंका बेरीवाल बनीं अध्यक्ष व सचिव रेखा मोर

होजाई (निसं)। अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन की होजाई शाखा की साधारण सभा जुगल किशोर केडिया स्मृति भवन के सभागार में शनिवार को आयोजित हुई। अध्यक्ष प्रियंका सरावगी की अध्यक्षता में हुई इस सभा में पिछले दो वर्षों के कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला गया और आय-व्यय का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। इसके बाद पुरानी समिति को भंग कर वर्ष 2026-2028 के लिए नई कार्यकारिणी के गठन पर विचार-विमर्श किया गया। आपसी चर्चा के बाद सर्वसम्मति से निम्नलिखित सदस्यों को दायित्व सौंपे गए। जिसमें अध्यक्ष प्रियंका बेरीवाल, उपाध्यक्ष विनीता सरावगी, सचिव रेखा मोर, सह-सचिव योगिता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मृदुल अग्रवाल, सह-कोषाध्यक्ष रंजना केजड़ीवाल। अध्यक्ष पद ग्रहण करने के बाद प्रियंका बेरीवाल ने सभी सदस्यों का आभार जताते हुए कहा कि आपने जो जिम्मेदारी सौंपी है, हम सभी सदस्य एकजुट होकर संस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया गया, जिसमें समाज की वरिष्ठ महिलाओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। उल्लेखनीय है कि असम प्रांतीय समिति में होजाई की ज्योति सुरेका को प्रांतीय सह-सचिव और प्रियंका सरावगी को प्रांतीय बाल विकास का दायित्व सौंपा गया है।

गायक केशब महंत की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री शर्मा ने दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को प्रख्यात असमिया कवि, गीतकार और साहित्यकार केशब महंत की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके साहित्यिक एवं सांस्कृतिक योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया संदेश में कहा कि केशब महंत ने अपनी सृजनात्मक प्रतिभा से असमिया साहित्य और संगीत को एक नई ऊंचाई प्रदान की। उनकी रचनाएं, जो प्रकृति और मानवीय संवेदनाओं से ओतप्रोत हैं, आज भी लोगों के दिलों को छूती हैं। उन्होंने कहा कि महंत के गीतों और कविताओं की समृद्ध विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। असमिया समाज उनके अमूल्य योगदान को सदैव सम्मान और कृतज्ञता के साथ स्मरण करता रहेगा। मुख्यमंत्री ने महान साहित्यकार को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी कृतियां असम की सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न हिस्सा बनी रहेंगी।

चार दिवसीय श्री हनुमान जन्मोत्सव का शुभारंभ कल से

नगांव (निसं)। श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में मंगलवार को श्री कृष्णाश्रम शिव मंदिर से धिंग रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर तक एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। उल्लेखनीय है कि श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति, नगांव के तत्वाधान में आगामी 2 अप्रैल से 5 अप्रैल तक चार दिवसीय श्री हनुमान जन्मोत्सव एंव विराट मेले का आयोजन गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी किया जा रहा है। चार दिवसीय मूल कार्यक्रम का शुभारंभ वृहस्पतिवार से होगा। इससे पूर्व मंगलवार को कलश यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस क्रम में ब्रह्मपुत्र नद का जल सिलघाट से लाकर श्री कृष्णश्रम शिव मंदिर में रखा गया। तत्पश्चात कलशो में जल भरकर कलश यात्रा नेहरू वाली स्थिति श्री कृष्णश्रम शिव मंदिर प्रांगण से आरंभ होकर श्री हनुमान मंदिर तक निकाली गई। इससे पूर्व नेहरू वाली स्थित श्री कृष्णाश्रम शिव मंदिर में कलशो की विधिवत पूजा-अर्चना समिति के सचिव राजेन्द्र प्रसाद मुंदडा मुख्य यजमान के तौर पर करवाई। पूजा के बाद आरती की गई। बाद में कलश यात्रा आरंभ हुई। सबसे आगे श्रीराम दरबार की सजीव झांकी चल रही थी। उसके पिछे राम नाम की धुन बजाते हुए बैंड पार्टी और महिला, पुरुष अपने गणावेश में कलश लेकर चल रहे थे। इस समय श्रीराम नाम के उद्घोष से शहर गुंजायमान हो रहा था। कलश यत्रा मंदिर पहुचने पर पंडित प्रहलाद राय दाधिच व अनिल दाधिच ने आरती कर अगवानी की। इसी जल, दूध, दही, शहद, शक्कर एवं अन्य सामग्रियों से बाबा के विग्रह का महाभिषेक कर पंचामृत का प्रसाद भक्तों में वितरित किया गया। प्रचार विभाग के मुकेश पोद्दार ने बताया की वृहस्पतिवार से श्री हनुमान जन्मोत्सव के चार दिवसीय कार्यक्रम आरंभ होकर सोमवार को हवन व इश वंदना के साथ समारोह का समापन होगा। मंदिर परिसर तथा श्री हनुमान जी के विग्रह का विशेष रूप से फूलों से श्रृंगार किया जा रहा है। श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति के संयुक्त सचिव अजित कुमार माहेश्वरी ने बताया कि फूलों से अतिरिक्त विशेष श्रृंगार होगा जो भक्तों के लिए आकर्षण होगा।

संपादकीय

इंसानी जीपीएस का क्षरण

अक्सर कहा जाता है कि मनुष्य शरीर के वे अवयव निष्क्रिय हो जाते हैं, जिनका मनुष्य लगातार उपयोग नहीं करता। मानव शरीर की अद्भुत कुदरती क्षमताओं पर भी यही बात लागू होती है। हाल ही में नोबेल पुरस्कार विजेता न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ. एडवर्ड मोजर की वह चेतावनी चौंकाती है कि तकनीकी जीपीएस पर बढ़ती निर्भरता से इंसान के मस्तिष्क में स्थित कुदरती जीपीएस की क्षमता कम हो रही है। सदियों से इससे हमारे दिमाग में लक्षित स्थान का नक्शा बनाकर जगह तक पहुंचने में मदद मिलती थी। लेकिन हम रास्ते नहीं खोजते, बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। याद करें जब फोन नहीं थे तो वाहन चालक व सामान पहुंचाने वाले वर्कर्स खुद रास्ते तलाशकर गंतव्य स्थान तक पहुंचते थे। लेकिन अब हम अपने दिमाग में पहुंचने वाली जगह का नक्शा बनाने की बजाय बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। हम सिर्फ रास्ते की कड़ियों का हिस्सा बन रहे हैं। एक समय था कि हमें घुमावदार रास्ते भी याद रहते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं। इसकी वजह है कि अब हम रास्तों व उसके आसपास की चीजों को याद करने की जहमत नहीं उठाते। कमोबेश यह स्थिति ऐसी ही है जैसे कुछ साल पहले तक हमें बहुत सारे फोन नंबर याद रहते थे। यहां तक कि लैंडलाइन फोन के नंबर भी हम याद रखते थे। लेकिन अब फोन में नंबर सुरक्षित करके हम अपने परिवार के खास फोन नंबर याद नहीं रख पा रहे हैं। इसी तरह हम कुदरती जीपीएस की क्षमताओं से वंचित होने लगे हैं। दरअसल, वैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य के मस्तिष्क के भीतर ग्रिड सेल्स होते हैं। जिन्हें इंसानी दिमाग का भीतरी जीपीएस कहा जा सकता है। जो हमारा मार्गदर्शन करते हैं कि हम कहां हैं और हमें आगे कहां जाना है। ये ही हमारे दिमाग में लक्षित जगह का नक्शा बनाने में मदद करते हैं कि हमें कैसे व कहां जाना है। रोचक तथ्य यह है कि मनुष्य के मस्तिष्क में यह कुदरती जीपीएस जन्म के बाद जल्दी ही सक्रिय हो जाता है। यानी कुछ समय बाद ही मनुष्य के शरीर में रास्ते पहचानने की क्षमता विकसित हो जाती है। लेकिन विडंबना यह है कि हम लगातार अपने शरीर के इस कुदरती गुण को नजरअंदाज करके तकनीक यानी जीपीएस पर निर्भरता बढ़ाते जा रहे हैं। चिंता इस बात की भी है कि कहीं देर-सवेर हम अपने शरीर के भीतर स्थित जीपीएस से वंचित न हो जाएं। जिसका सीधा असर हमारी सीखने की क्षमता, रास्ते याद रखने की शक्ति और भविष्य में लक्षित मार्ग खोजने की योग्यता में गिरावट के रूप में होगा। वैज्ञानिक कहते हैं कि हम तकनीक का इस्तेमाल करें, लेकिन कुदरती क्षमता को सिरे से नजरअंदाज न करें। यदि समय-समय पर हम उसका उपयोग करेंगे तो उसकी सक्रियता बनी रहेगी। फिर जिन स्थानों पर गूगल व अन्य जीपीएस काम नहीं करते, वहां हम अपनी नैसर्गिक क्षमता का उपयोग रास्ते तलाशने में कर सकते हैं। वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं कि दिमागी जीपीएस प्रारूप का इस्तेमाल रोबोटिक्स में करने में कैसे सफलता मिले। जिससे मशीनें भी वैसा ही व्यवहार करें जैसा हमारा दिमाग करता है।

मानव शरीर की अद्भुत कुदरती क्षमताओं पर भी यही बात लागू होती है। हाल ही में नोबेल पुरस्कार विजेता न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ. एडवर्ड मोजर की वह चेतावनी चौंकाती है कि तकनीकी जीपीएस पर बढ़ती निर्भरता से इंसान के मस्तिष्क में स्थित कुदरती जीपीएस की क्षमता कम हो रही है। सदियों से इससे हमारे दिमाग में लक्षित स्थान का नक्शा बनाकर जगह तक पहुंचने में मदद मिलती थी। लेकिन हम रास्ते नहीं खोजते, बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। याद करें जब फोन नहीं थे तो वाहन चालक व सामान पहुंचाने वाले वर्कर्स खुद रास्ते तलाशकर गंतव्य स्थान तक पहुंचते थे। लेकिन अब हम अपने दिमाग में पहुंचने वाली जगह का नक्शा बनाने की बजाय बस जीपीएस की हिदायतें ही मानते हैं। हम सिर्फ रास्ते की कड़ियों का हिस्सा बन रहे हैं। एक समय था कि हमें घुमावदार रास्ते भी याद रहते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं। इसकी वजह है कि अब हम रास्तों व उसके आसपास की चीजों को याद करने की जहमत नहीं उठाते। कमोबेश यह स्थिति ऐसी ही है जैसे कुछ साल पहले तक हमें बहुत सारे फोन नंबर याद रहते थे। यहां तक कि लैंडलाइन फोन के नंबर भी हम याद रखते थे। लेकिन अब फोन में नंबर सुरक्षित करके हम अपने परिवार के खास फोन नंबर याद नहीं रख पा रहे हैं। इसी तरह हम कुदरती जीपीएस की क्षमताओं से वंचित होने लगे हैं। दरअसल, वैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य के मस्तिष्क के भीतर ग्रिड सेल्स होते हैं। जिन्हें इंसानी दिमाग का भीतरी जीपीएस कहा जा सकता है। जो हमारा मार्गदर्शन करते हैं कि हम कहां हैं और हमें आगे कहां जाना है।

वैश्विक शांति व्यवस्था का ढांचा गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सामूहिक प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लग रहा

अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सामूहिक विफलता का प्रमाण है निरंतर हो रहे

डॉ. शैलेश शुक्ला

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब वैश्विक समुदाय ने संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों की स्थापना की, तब उसका मूल उद्देश्य स्पष्ट था—भविष्य में युद्धों को रोकना, राष्ट्रों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना तथा वैश्विक शांति और सुरक्षा को स्थायी आधार प्रदान करना किंतु इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में जब विश्व के अनेक क्षेत्रों में युद्ध और सशस्त्र संघर्ष चल रहे हैं, तब यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ अपने मूल उद्देश्य में सफल रही हैं। यूक्रेन, गाजा, सूडान, यमन और कई अन्य क्षेत्रों में लगातार जारी हिंसा इस बात का संकेत देती है कि वैश्विक शांति व्यवस्था का ढांचा गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सामूहिक प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। उप्साला कॉन्फ्लिक्ट डेटा प्रोग्राम के अनुसार वर्ष 2023 में विश्व में 59 राज्य-आधारित सशस्त्र संघर्ष दर्ज किए गए जो 1946 के बाद सबसे अधिक संख्या है। यह आंकड़ा केवल संघर्षों की वृद्धि ही नहीं बल्कि इस तथ्य का भी प्रमाण है कि शीत युद्ध की समाप्ति के बाद जिस शांति काल की आशा की जा रही थी, वह अपेक्षा के अनुरूप स्थायी नहीं हो सका। उसी वर्ष वैश्विक स्तर पर संगठित हिंसा से लगभग 154000 लोगों की मृत्यु दर्ज की गई जबकि 2022 में यह संख्या 310000 थी। यद्यपि मृत्यु दर में उतार-चढ़ाव देखा गया किंतु सक्रिय संघर्षों की बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि विश्व व्यवस्था में अस्थिरता गहराती जा रही है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ इन संघर्षों को रोकने या नियंत्रित करने में सीमित सफलता ही प्राप्त कर पा रही हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को वैश्विक शांति और सुरक्षा का मुख्य संरक्षक माना जाता है किंतु व्यवहार में उसकी संरचना और निर्णय प्रक्रिया कई बार उसकी प्रभावशीलता को सीमित कर देती है। स्थायी सदस्यों को प्राप्त वीटो अधिकार के कारण कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव केवल इसलिए पारित नहीं हो पाते क्योंकि महाशक्तियों के भू-राजनीतिक हित उनसे टकराते हैं। यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में रूस ने अनेक प्रस्तावों पर वीटो का प्रयोग किया, जबकि गाजा संघर्ष के दौरान भी विभिन्न प्रस्ताव स्थायी सदस्यों के मतभेदों के कारण लंबित या विफल रहे। इस स्थिति ने संयुक्त राष्ट्र की निष्पक्षता और क्षमता दोनों पर प्रश्न खड़े किए हैं, क्योंकि जब वही राष्ट्र, जिन पर शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी है, स्वयं संघर्षों में पक्षकार बन जाते हैं या अपने सहयोगियों के पक्ष में निर्णय प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं, तब संस्था की विश्वसनीयता कमजोर पड़ती है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सीमित प्रभावशीलता का एक अन्य संकेत वैश्विक सैन्य व्यय में लगातार हो रही वृद्धि है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार वर्ष 2024 में विश्व का कुल सैन्य व्यय 2.718 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे अधिक स्तर है और पिछले 10 वर्षों से लगातार बढ़ रहा है। वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2.5 प्रतिशत भाग सैन्य खर्च पर व्यय

यूक्रेन, गाजा, सूडान, यमन और कई अन्य क्षेत्रों में लगातार जारी हिंसा इस बात का संकेत देती है कि वैश्विक शांति व्यवस्था का ढांचा गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सामूहिक प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। उप्साला कॉन्फ्लिक्ट डेटा प्रोग्राम के अनुसार वर्ष 2023 में विश्व में 59 राज्य-आधारित सशस्त्र संघर्ष दर्ज किए गए जो 1946 के बाद सबसे अधिक संख्या है। यह आंकड़ा केवल संघर्षों की वृद्धि ही नहीं बल्कि इस तथ्य का भी प्रमाण है कि शीत युद्ध की समाप्ति के बाद जिस शांति काल की आशा की जा रही थी, वह अपेक्षा के अनुरूप स्थायी नहीं हो सका। उसी वर्ष वैश्विक स्तर पर संगठित हिंसा से लगभग 154000 लोगों की मृत्यु दर्ज की गई जबकि 2022 में यह संख्या 310000 थी।

किया जा रहा है, जो यह दर्शाता है कि राष्ट्र सुरक्षा के लिए सामूहिक संस्थाओं पर भरोसा करने के बजाय अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने को प्राथमिकता दे रहे हैं। यह प्रवृत्ति न केवल हथियारों की दौड़ को बढ़ावा देती है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की उस भूमिका को भी कमजोर करती है, जिसमें वे सामूहिक सुरक्षा और संघर्ष-निवारण के माध्यम से युद्ध की आवश्यकता को कम करने का प्रयास करती हैं। हाल के वर्षों में विश्व के कई प्रमुख संघर्षों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की मध्यस्थता और शांति स्थापना प्रयासों की प्रभावशीलता सीमित होती जा रही है। यूक्रेन युद्ध के दो वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद स्थायी और सर्वमान्य समाधान नहीं निकल सका। इसी प्रकार पश्चिम एशिया में इजराइल और हमास के बीच हिंसा बार-बार युद्धविराम के बावजूद पुनः भड़क उठती है। सूडान में आंतरिक संघर्ष ने मानवीय संकट को जन्म दिया, किंतु अंतरराष्ट्रीय समुदाय समय रहते निर्णायक हस्तक्षेप नहीं कर सका। इन सभी उदाहरणों में यह देखा गया कि संस्थाएँ बयान जारी करने, मानवीय सहायता प्रदान करने और कूटनीतिक प्रयास करने तक तो सक्रिय रहीं, किंतु संघर्षों को शीघ्र समाप्त कराने या दीर्घकालिक शांति स्थापित करने में अपेक्षित सफलता नहीं मिली। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की इस विफलता के पीछे कई संरचनात्मक और राजनीतिक कारण हैं। संयुक्त राष्ट्र की संरचना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की शक्ति संतुलन पर आधारित है, जबकि आज का विश्व बहुध्रुवीय हो चुका है। नए उभरते राष्ट्र और क्षेत्रीय शक्तियाँ वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रतिनिधित्व की मांग कर रही हैं, किंतु सुरक्षा परिषद की संरचना में अब तक व्यापक सुधार नहीं हो सका है। परिणामस्वरूप, अनेक राष्ट्र स्वयं को निर्णय प्रक्रिया से बाहर या हाशिये पर महसूस करते हैं, जिससे संस्थाओं की वैधता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित होती हैं। राजनीति इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय कानून और संस्थाओं की शक्ति मुख्यतः सदस्य राष्ट्रों की सहमति और सहयोग पर निर्भर करती है। यदि कोई शक्तिशाली राष्ट्र किसी निर्णय को मानने से इनकार कर देता है या प्रतिबंधों को नजरअंदाज करता है, तो संस्थाओं के पास उसे बाध्य करने के सीमित साधन ही होते हैं। यही कारण है कि कई बार अंतरराष्ट्रीय न्यायालयों या परिषदों के निर्णय नैतिक और कानूनी दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हुए भी व्यवहार में लागू नहीं हो पाते। इससे यह संदेश जाता है कि वैश्विक व्यवस्था में नियमों से अधिक शक्ति और प्रभाव का महत्व है, जो संस्थागत व्यवस्था के मूल सिद्धांतों को कमजोर करता है। निरंतर हो रहे युद्धों का मानवीय और आर्थिक प्रभाव भी इस विफलता को और अधिक स्पष्ट करता है। युद्धों के कारण लाखों लोग विस्थापित हो रहे हैं, शरणार्थी संकट बढ़ रहा है और अनेक देशों की अर्थव्यवस्थाएँ अस्थिर हो रही हैं। जब अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ इन संकटों को समय रहते रोक नहीं पातीं, तो उनका ध्यान संघर्ष के बाद राहत और पुनर्वास पर केंद्रित हो जाता है जबकि मूल उद्देश्य युद्ध को रोकना और शांति बनाए रखना था। इस प्रकार संस्थाएँ प्रतिक्रियात्मक भूमिका में सिमट जाती हैं, जबकि उनसे अपेक्षा सक्रिय और निवारक भूमिका की थी। यह भी ध्यान देने योग्य है कि आधुनिक युद्धों का स्वरूप पारंपरिक युद्धों से भिन्न हो गया है। अब केवल दो राष्ट्रों के बीच सीधी लड़ाई ही नहीं, बल्कि प्रॉक्सी युद्ध, साइबर आक्रमण, आतंकवाद और गैर-राज्यीय सशस्त्र समूहों की भूमिका भी बढ़ गई है। इन जटिल और बहुस्तरीय संघर्षों से निपटने के लिए पारंपरिक अंतरराष्ट्रीय संस्थागत ढांचे पर्याप्त रूप से तैयार नहीं हैं। जब संघर्ष स्पष्ट रूप से दो राष्ट्रों के बीच न होकर अनेक पक्षों और गुटों में बंटा हो, तब मध्यस्थता और शांति स्थापना और भी कठिन हो जाती है। इसके बावजूद यह कहना भी पूर्णतः उचित नहीं होगा कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ पूरी तरह विफल हो चुकी हैं। उन्होंने अनेक अवसरों पर शांति वार्ताओं को संभव बनाया, मानवीय सहायता पहुंचाई और अंतरराष्ट्रीय कानून तथा मानवाधिकार के मानकों को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। किंतु समस्या यह है कि उनकी सफलता अपेक्षाकृत कम दिखाई देती है, जबकि उनकी विफलताएँ व्यापक और प्रत्यक्ष रूप से सामने आती हैं। जब युद्ध रुकता है तो उसे कूटनीतिक सफलता के रूप में कम देखा जाता है लेकिन जब युद्ध जारी रहता है तो संस्थाओं की सीमाएँ स्पष्ट रूप से उजागर हो जाती हैं। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य यह संकेत देता है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में संरचनात्मक सुधार, निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता, क्षेत्रीय संगठनों के साथ बेहतर समन्वय और वैश्विक शक्ति संतुलन के अनुरूप प्रतिनिधित्व आवश्यक है।

देश दुनीया से

डिजिटलीकरण की रफ्तार और 'डिजिटल जहर' का खतरा

आज हमारा देश भारत तेजी से डिजिटाइजेशन की ओर अग्रसर है, और कहना ग़लत नहीं होगा कि इसमें स्मार्टफोन विशेषकर एंड्रॉयड का सबसे बड़ा योगदान है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वैश्विक स्तर पर जहां एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 3.9 अरब (390 करोड़) है, वहीं भारत में वर्ष 2025–2026 के अनुमान के अनुसार कुल स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 75 करोड़ (750 मिलियन) तक पहुंच चुकी है। इनमें से लगभग 89%-90% स्मार्टफोन एंड्रॉयड आधारित हैं। अर्थात सरल शब्दों में कहें तो भारत में करीब 65-70 करोड़ लोग एंड्रॉयड फोन का उपयोग कर रहे हैं।यह भी कहा जा सकता है कि आज हर 10 में से लगभग 9 लोग एंड्रॉयड फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। वास्तव में, हमारे देश में सस्ते डेटा प्लान, किफायती स्मार्टफोन और डिजिटल सेवाओं का विस्तार इस तेजी के प्रमुख कारण हैं।भारत राजनीति समाचार हालांकि, इस डिजिटल क्रांति का एक चिंताजनक पहलू भी सामने आ रहा है-'डिजिटल जहर' अर्थात मोबाइल और स्क्रीन की बढ़ती लत, जो विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के लिए गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। आंकड़े इस समस्या की भयावहता को स्पष्ट करते हैं। क्या यह चिंताजनक बात नहीं है कि हमारे देश में 0-5 वर्ष के बच्चे प्रतिदिन औसतन 2.2 घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सुरक्षित सीमा से लगभग दोगुना है। वहीं, 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चे भी औसतन 1.2 घंटे स्क्रीन देखते हैं, जबकि उनके लिए स्क्रीन टाइम शून्य होना चाहिए। इतना ही नहीं, यदि हम यहां पर स्कूल जाने वाले बच्चों की बात करें, तो एक अध्ययन के अनुसार 62.5% बच्चों में मध्यम से उच्च स्तर की स्क्रीन लत पाई गई है, और उनका औसत स्क्रीन टाइम लगभग 4 घंटे प्रतिदिन है। एक अन्य रिपोर्ट बताती है कि भारत के 74% छात्र रोजाना 2 घंटे से अधिक स्क्रीन का उपयोग करते हैं, जिनमें से 21% बच्चे 4 घंटे से भी अधिक समय मोबाइल, गेमिंग या सोशल मीडिया पर बिताते हैं। लगभग 70% माता-पिता का मानना है कि उनके बच्चे वीडियो और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के आदी हो चुके हैं। और भी चिंता की बात यह है कि 64% बच्चे सोशल मीडिया और गेमिंग के आदी हैं, जबकि केवल 20% बच्चों में किसी प्रकार की डिजिटल लत नहीं पाई गई है।एक उपलब्ध

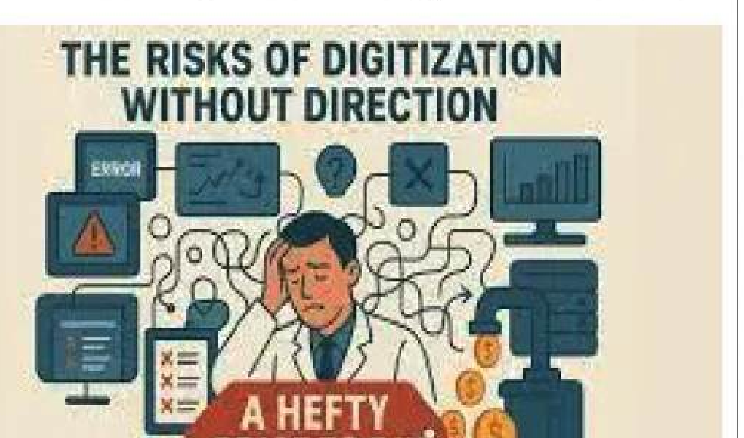

जानकारी के अनुसार आज के समय में भारत में लगभग 90% किशोरों के पास स्मार्टफोन की पहुंच है और 76% बच्चे मनोरंजन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 ने भी डिजिटल लत को बच्चों और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा बताया है, क्योंकि यह उनकी पढ़ाई, एकाग्रता और व्यवहार पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। इस डिजिटल लत के दुष्परिणाम भी स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं। मसलन, ध्यान में कमी, चिड़चिड़ापन, नींद की समस्या, पढ़ाई में गिरावट, सामाजिक दूरी, अकेलापन, मानसिक तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि हाल ही में राज्यसभा में भी इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया गया, जहां यह बताया गया कि कई बच्चे प्रतिदिन 7-8 घंटे मोबाइल स्क्रीन पर बिता रहे हैं। इससे उनकी शिक्षा, सामाजिक जीवन और नींद पर गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।विशेषज्ञों ने इस स्थिति को 'डिजिटल गुलामी' तक करार दिया है, क्योंकि बच्चे मोबाइल के बिना स्वयं को असहज महसूस करते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में सोशल मीडिया पर लाइक्स और कमेंट्स की होड़ बच्चों में हीन भावना, तनाव और अवसाद को बढ़ा रही है, वहीं ऑनलाइन बुलिंग जैसी समस्याएं भी उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही हैं। हाल ही में एक अमेरिकी अदालत ने भी यह माना है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का डिजाइन इस प्रकार बनाया जाता है कि उपयोगकर्ता बार-बार उन्हें इस्तेमाल करें, जिससे लत की प्रवृत्ति बढ़ती है। इस बढ़ती समस्या के समाधान के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए हैं। राज्यसभा में राष्ट्रीय स्तर पर नीति बनाने, स्कूलों में 'डिजिटल हेल्थ' को पाठ्यक्रम में शामिल करने और सोशल मीडिया तथा गेमिंग कंपनियों पर सख्त नियम लागू करने की मांग की गई है। साथ ही, अभिभावकों को यह सलाह दी गई है कि वे बच्चों पर केवल प्रतिबंध लगाने के बजाय उनसे खुलकर संवाद करें, उनके साथ समय बिताएं और उन्हें खेल-कूद तथा रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। अंततः, यह स्पष्ट है कि डिजिटल लत अब केवल एक आदत नहीं, बल्कि समाज के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुकी है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने जहां अभिव्यक्ति और सूचना के नए द्वार खोले हैं, वहीं उनका अत्यधिक उपयोग बच्चों और किशोरों के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास को प्रभावित कर रहा है। यदि समय रहते प्रभावी और संतुलित कदम नहीं उठाए गए, तो इसका असर आने वाली पीढ़ियों पर गहरा और दीर्घकालिक होगा। इसलिए सरकार, शैक्षणिक संस्थान, अभिभावक और समाज-सभी को मिलकर जागरूकता, संतुलित उपयोग और सकारात्मक संवाद के माध्यम से इस 'डिजिटल जहर' से बच्चों और युवाओं को बचाने की दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे।

आप का नजरीया

नीयत से नौबत तक

राष्ट्रीय स्तर के कई आंकड़ों में हिमाचल ने साबित किया है कि राज्यों की छोटी इकाइयां भी बड़े काम कर सकती हैं, लेकिन देश की राजनीतिक जरूरतें बड़े राज्यों के पक्ष में खिलबाड़ करती हैं। अगर हिमाचल को अपना बजट छोटा करना पड़ा, तो राष्ट्रीय पैमाने भी कम दोषी नहीं। राज्य की खुशहाली में हिमाचल का प्रति व्यक्ति हिसाब निजी तरक्की में तो नजर आता है, लेकिन औसत में राष्ट्रीय संसाधनों का व्यय कहां नजरअंदाज होता है। यहां बेसहारा मान लेना उपचार नहीं और न ही केंद्र को एकमात्र सहारा मान लेना भी सही नहीं। पहाड़ी व समुद्र तटीय राज्यों को एक ही तराजू में तौल लेना सही नहीं। देश अगर समुद्र तटीय राज्यों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय आवाजाही के मानक पूरा करता है, तो पर्वतीय परिवेश के योगदान में पर्यावरण, मौसम, जलवायु तथा जल संसाधनों का संरक्षण होता है। क्या पर्वतीय मासूमियत ही काफी नहीं कि अब यहां चोर सिपाही का केस बनते-बनते अब केंद्र भूल गया कि उसकी नीयत से यह नौबत आ रही है। अगर पराली जलाने वाले राज्यों को दोषी करार दिया जा सकता है, तो पर्यावरण बचाने वाले राज्यों को आर्थिक अभिशाप से आर्थिक संताप क्यों दिया जाए। वैसे एक दिन ऐसा होना था क्योंकि हम पर्वतीय नीतियों के प्रति लापरवाह रहे। जो देश में बंटा, उसमें चोंच मारते रहे। हम भोले, दीन हीन और राष्ट्र की शांति में हाथ फैलाते रहे, जबकि अपने संसाधनों के लिए संघर्ष ही नहीं किया। हमने हिमाचल का इतिहास नहीं जोड़ा और न ही अधिकारों के प्रति चेतना पैदा की। इतिहास पढ़ा होता तो मालूम होता है कि मंगल पांडेय से पहले ही किसी वजीर राम सिंह पठानिया ने अंग्रेजों के खिलाफ बगावत की थी। जोरावर सिंह जैसे योद्धा ने सिख व डोगरा इतिहास के कई पन्ने अपने कौशल से स्वर्णिम किए थे। हमने गिनती में संस्थान-गिनती में अभियान, गिनती में आत्म सम्मान चुना। हमने ऐसी शिक्षा चुनी जो नौकरी का आवेदन बन गई। प्राकृतिक खेती से विमुख होकर हम न आगे के रहे और न ही पीछे के। अंततः पशुओं को आवारा और जंगल उगा कर बंदरों व वन्य प्राणियों को बस्ती से खेत तक ले आए। हमने संघीय ढांचे में खुद को स्थपित करने के लिए क्या किया। क्या हमने पर्वतीय मानदंडों, पर्वतीय अध्ययन एवं शोध तथा पर्वतीय सरोकारों के प्रति आवाज उठाई। यह कैसे हुआ कि जंगलों की बायो डायवर्सिटी को उजाड़ कर हम आर्थिकी के चीड़ हो गए। हमसे जंगल रूठे, खेत रूठे और रूठ गया मौसम, लेकिन पर्यावरण की चिंताओं से दूर हमने पौंग डैम, गोबिंद सागर के अलावा कितने ही बड़े बांध बनवा कर अपने ही पांव में कुल्हाड़ी मार ली। हम सियासी सर्कस के माहिर चुनाव-चुनाव खेलते रहे हैं। क्या विधानसभा चर्चाओं में आम आदमी का वजूद स्वतंत्र और मौलिक रूप से खड़ा हुआ। आखिर हिमाचल की मौलिकता के सबूत में खनन के ढेर क्यों लग गए। आश्चर्य यह कि हिमाचल धंधेबाज हो गया। कुछ बड़े भू माफिया पैदा हो गए, कहीं बिल्डर लाबी, कहीं होटलों के मालिकाना हक में नेता और कहीं निजी विश्वविद्यालयों की कतार में मिलीभगत की दास्तान ने कई हिमाचल बना दिए। एक हिमाचल सरकारी नौकरी के लिए केवल हस्ताक्षर करना जानता है, दूसरा राजनीतिक अपेक्षाओं की जिरह करता है। तीसरे हिमाचल का ऐसे बुद्धिजीवी से संबंध है, जो केवल सरकारी नौकरी और औजार के रूप में सेंकता है। यहां भी सरकारी नौकरियों का परिवारवाद पैदा हो चुका है। आसमानों पर रहने वाले परिंदे, अब हमारी जमीन के दाने ले उड़े। एक चौथा हिमाचल भी है जो अपने सरोकारों, प्रतिस्पर्धा, संबंधों और काबिलीयत को आजमाते हुए बहुत दूर निकल गए। ऐसे में समाज अपनी मूल धारणा भूल गया। सारा हिमाचल सियासी हो गया और इसीलिए राज्य से बड़े निजी अधिकार हो गए है। राज्य से बड़ा निजी आत्म सम्मान हो गया। यहां नर्म गद्दों पर बैठे विशेषाधिकार, पत्थर हो गए। तू गजब की भूल भलैया में जीने लगा है हिमाचल। हर किसी को चाहिए सत्ता, सत्तारूढ़ दल की उदारता, संसर्ग, इसलिए चुनाव हमारी संवेदना नहीं, कुछ निजी हासिल करने का स्वार्थ है।

राज्य की खुशहाली में हिमाचल का प्रति व्यक्ति हिसाब निजी तरक्की में तो नजर आता है, लेकिन औसत में राष्ट्रीय संसाधनों का व्यय कहां नजरअंदाज होता है। यहां बेसहारा मान लेना उपचार नहीं और न ही केंद्र को एकमात्र सहारा मान लेना भी सही नहीं। पहाड़ी व समुद्र तटीय राज्यों को एक ही तराजू में तौल लेना सही नहीं। देश अगर समुद्र तटीय राज्यों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय आवाजाही के मानक पूरा करता है, तो पर्वतीय परिवेश के योगदान में पर्यावरण, मौसम, जलवायु तथा जल संसाधनों का संरक्षण होता है। क्या पर्वतीय मासूमियत ही काफी नहीं कि अब यहां चोर सिपाही का केस बनते-बनते अब केंद्र भूल गया कि उसकी नीयत से यह नौबत आ रही है। अगर पराली जलाने वाले राज्यों को दोषी करार दिया जा सकता है, तो पर्यावरण बचाने वाले राज्यों को आर्थिक अभिशाप से आर्थिक संताप क्यों दिया जाए। वैसे एक दिन ऐसा होना था क्योंकि हम पर्वतीय नीतियों के प्रति लापरवाह रहे। जो देश में बंटा, उसमें चोंच मारते रहे। हम भोले, दीन हीन और राष्ट्र की शांति में हाथ फैलाते रहे, जबकि अपने संसाधनों के लिए संघर्ष ही नहीं किया। हमने हिमाचल का इतिहास नहीं जोड़ा और न ही अधिकारों के प्रति चेतना पैदा की। इतिहास पढ़ा होता तो मालूम होता है कि मंगल पांडेय से पहले ही किसी वजीर राम सिंह पठानिया ने अंग्रेजों के खिलाफ बगावत की थी। जोरावर सिंह जैसे योद्धा ने सिख व डोगरा इतिहास के कई पन्ने अपने कौशल से स्वर्णिम किए थे।

कुछ अलग

भगवान न्यूट्रल हो गया

भगवान को अपने ईश्वरत्व पर शक होने लगा था। वह वरदान देने की कोशिश करते, तो भक्त शापित हो जाते। नदियों को आगे बढ़ने को कहते, तो वे सूख कर रुक जातीं, लेकिन चौराहों की ट्रैफिक को रुकने का इशारा करते, तो वह आगे बढ़ जाता। आखिर क्या हुआ कि भगवान अपने भीतर भगवान ही नहीं रहा और उधर धरतीलोक पर लोगों ने बाकायदा चुन कर भगवान बना लिए। ऐसे में कुछ देवता चाहने लगे कि वे भी चुनाव जीत कर भगवान हो जाएं। अफरातफरी के इस आलम में भगवान ने अपने मंत्रिमंडल से सलाह लेनी चाही कि अब संसार को ठीक से चलाने के लिए क्या किया जाए। अधिकांश मंत्री खामोश थे, लेकिन एक जोर देकर बोला, 'यह आपकी कमजोरी है कि धरती पर भगवान बनने लगे हैं। आपके भक्त कम और नेताओं के बढ़ने लगे हैं।' देवताओं की सहमति थी इसमें भी कि स्वयं भगवान धरती पर जाएं और भक्तों को अपने पक्ष में लाएं। धरतीलोक पर उतर कर भगवान अनकंफर्टेबल हो रहे थे। पहली बार भगवान को लगा कि उनसे ज्यादा औकात तो नेताओं ने बना ली है। अधिकांश भक्तों को भगवान की जरूरत ही नहीं थी। अंततः भगवान को एक शराबी मिलता है। पहली बार धरती पर भगवान को इसी शराबी ने पहचान लिया। भगवान ने शराबी से पूछा, 'तुम्हें क्यों लगा कि मैं भगवान हूं और तू बाकी जनता की तरह नेता का भक्त क्यों नहीं बना।' शराबी हंसा, उसने सामने स्थापित बड़ी सी मूर्ति की तरफ इशारा करके पूछा, 'बताओ यह किसका है।' भगवान आश्चर्यचकित थे कि यह तो वही नेता है, जो बड़े मंच से जनता को सपने दिखा रहा था और श्रोता उसका नाम जप रहे थे।

दृष्टि कोण

भारतीय आर्थिकी पर युद्ध का बढ़ता साया

इन दिनों पश्चिम एशिया में बढ़ते हुए युद्ध से जहां वैश्विक अर्थव्यवस्था लडखड़ाते हुए दिखाई दे रही है, वहीं युद्ध का साया भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। देश में विभिन्न उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढने लगी हैं। डॉलर की तुलना में रुपए में तेज गिरावट है। निर्यात घट गए हैं। विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर से नीचे आ गया है। शेयर बाजार भी बेहाल है। ऐसे में देश के आम आदमी और अर्थव्यवस्था को युद्ध की तपिश से बचाने के मद्देनजर हाल ही में 27 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से भारत के बाजार से लेकर आपूर्ति श्रृंखला पर बढ़ते हुए असर की समीक्षा की गई। साथ ही महत्वपूर्ण जरूरतों मसलन पेट्रोल-डीजल, गैस, खाद्य, ऊर्जा, उर्वरक आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे सभी तरह के प्रयासों के साथ आने वाले समय में निर्मित हो सकने वाली चुनौतियों से निपटने के मद्देनजर संभावित उपायों पर विचार मंथन किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जिस तरह कोरोना महामारी के दौरान केंद्र और राज्यों की सामूहिक रणनीति से कोरोना की आपदा का सफलतापूर्वक मुकाबला किया गया, अब उसी तरह साझा जिम्मेदारी से टीम इंडिया के रूप में काम करते हुए भारत पश्चिम संकट की चुनौती से भी निपट लेगा। मोदी ने बताया कि पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखने के लिए उत्पाद कर में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती किए जाने से महंगाई को काबू में रखा जा सकेगा। साथ ही आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू किया गया है। साथ ही सरकार ने किसी भी तरह के लॉकडाउन की स्थिति से इंकार किया। इन दिनों पश्चिम एशिया में बढ़ते हुए युद्ध से जहां वैश्विक अर्थव्यवस्था लडखड़ाते हुए दिखाई दे रही है, वहीं युद्ध का साया भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। देश में विभिन्न उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढने लगी हैं। डॉलर की तुलना में रुपए में तेज गिरावट है। निर्यात घट गए हैं। विदेशी मुद्रा

भंडार 700 अरब डॉलर से नीचे आ गया है। शेयर बाजार भी बेहाल है। ऐसे में देश के आम आदमी और अर्थव्यवस्था को युद्ध की तपिश से बचाने के मद्देनजर हाल ही में 27 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से भारत के बाजार से लेकर आपूर्ति श्रृंखला पर बढ़ते हुए असर की समीक्षा की गई। साथ ही महत्वपूर्ण जरूरतों मसलन पेट्रोल-डीजल, गैस, खाद्य, ऊर्जा, उर्वरक आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे सभी तरह के प्रयासों के साथ आने वाले समय में निर्मित हो सकने वाली चुनौतियों से निपटने के मद्देनजर संभावित उपायों पर विचार मंथन किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जिस तरह कोरोना महामारी के दौरान केंद्र और राज्यों की सामूहिक रणनीति से कोरोना की आपदा का सफलतापूर्वक मुकाबला किया गया, अब उसी तरह साझा जिम्मेदारी से टीम इंडिया के रूप में काम करते हुए भारत पश्चिम संकट की चुनौती से भी निपट लेगा। मोदी ने बताया कि पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखने के लिए उत्पाद कर में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती किए जाने से महंगाई को काबू में रखा जा सकेगा। साथ ही आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू किया गया है। साथ ही सरकार ने किसी भी तरह के लॉकडाउन की स्थिति से इंकार किया। उल्लेखनीय है कि इन दिनों पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध के परिप्रेक्ष्य में वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों व वैश्विक संगठनों की रिपोर्टों में भारत की विकास दर में कुछ कमी के अनुमान प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

पेट्रोल-डीजल और एलपीजी पर योगी सरकार की सख्त निगरानी

अब तक 17 हजार से अधिक छापे, 224 लोगों के खिलाफ मुकदमा

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से जमाखोरों को दी गयी चेतावनी और अफवाहबाजों पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए जाने के साथ-साथ अधिकारियों के फील्ड में उतरने से एलपीजी, पेट्रोल और डीजल के कृत्रिम संकट भी खत्म हो गया है। अब पेट्रोल पंपों में सामान्य दिनों जैसे ग्राहकों का आना जाना है। इस बीच प्रदेश में अब तक 17 हजार स्थानों पर छापेमारी की गयी है और 224 लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जा चुका है। खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध के मद्देजनर एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति की नियमित आपूर्ति में बाधाएं आने की संभावना नजर आ रही थी, लेकिन सरकार के गंभीर प्रयासों से इन आवश्यक चीजों की पर्याप्त उपलब्धता बनी है। इन सबके बीच जमाखोरों और बिचौलियों ने आपदा में कमाई का अवसर तलाश लिया। कृत्रिम संकट की अफवाहों का बाजार गर्म कर दिया और कुछ राजनीतिक दलों ने भी ऐसे अफवाहबाजों का साथ देना शुरु कर दिया। ऐसे में प्रदेश के कई हिस्सों में पेट्रोल पंपों में लंबी-लंबी लाइनें लग गयीं और एलपीजी को लेकर भी कथित रूप से संकट बनने लगा। ऐसे में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी पर यूपी सरकार ने सख्त निगरानी शुरु कर दी है। अब तक 17 हजार से अधिक छापे पड़ चुके हैं। इस दौरान एलपीजी वितरकों के खिलाफ 33 एफआईआर दर्ज की गई, जबकि अन्य मामलों में 189 एफआईआर दर्ज कर 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा 224 लोगों के खिलाफ मुकदमे की कार्रवाई भी की गई है। मुख्य सचिव स्तर से जारी निर्देशों के बाद सभी जिलों में प्रशासन सक्रिय है और जिला पूर्ति अधिकारी और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी

नियमित रूप से निरीक्षण कर रहे हैं, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर और ईंधन मिल सके। राज्य में 12, 888 पेट्रोल पंप संचालित हैं। 27 से 29 मार्च के बीच हजारों किलोलीटर ईंधन की बिक्री दर्ज की गई है। वर्तमान में प्रदेश में करीब 91 हजार किलोलीटर पेट्रोल और 1.15 लाख किलोलीटर डीजल का स्टॉक उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि 01 किलो लीटर का अर्थ 1000 लीटर से है। ऐसे में सरकार ने लोगों से अपील की है कि घबराहट में ईंधन का भंडारण न करें। इसी प्रकार प्रदेश के 4, 107 गैस वितरकों के माध्यम से उपभोक्ताओं को बुकिंग के अनुसार सिलेंडर की आपूर्ति की जा रही है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इसी के साथ सरकार ने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क के विस्तार पर भी जोर दिया है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में लंबित अनुमतियों को जल्द निपटाने और अधिक से अधिक पीएनजी कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, केंद्र सरकार ने 23 मार्च से वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों के 20 प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन की अनुमति भी दी है। आपूर्ति व्यवस्था की निगरानी के लिए खाद्यायुक्त कार्यालय में 24 घंटे कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इसके अलावा सभी जिलों में भी कंट्रोल रूम सक्रिय हैं, जहां से लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है। सरकार का कहना है कि प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है और किसी भी तरह की कालाबाजारी या जमाखोरी पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मां शीतला मंदिर में घटित घटना में मृतक के आश्रितों को दिए छह लाख रुपए, थानाध्यक्ष निलंबित

बिहारशरीफ (हिंस)। बिहार में नालंदा जिलांतर्गत दीपनगर थाना क्षेत्र के मां शीतला मंदिर में पूजा-अर्चना के दौरान अत्यधिक भीड़ होने के कारण अचानक स्थिति अनियंत्रित हो गई। अभी तक प्राप्त सूचना के अनुसार इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 8 श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई है तथा 8 श्रद्धालु घायल हुए हैं। घटना की सूचना प्राप्त होते ही नालंदा जिला पुलिस प्रशासन तत्परता के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में जुट गया है। घायलों को तत्काल बेहतर इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका समुचित उपचार किया जा रहा है। घटनास्थल पर आयुक्त पटना प्रमंडल क्षेत्र पटना, पुलिस महानिरीक्षक केंद्रीय क्षेत्र पटना द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया है तथा घटना स्थल पर जिला पदाधिकारी नालंदा पुलिस अधीक्षक नालंदा एवं उप विकास आयुक्त, नालंदा स्वयं उपस्थित रहकर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। स्थिति वर्तमान में नियंत्रण में है। जिला प्रशासन द्वारा घटना की जांच कराई जा रही है तथा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। मंदिर प्रांगण में लगे सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन किया जा रहा है। साथ हीं एफएसएल टीम द्वारा घटनास्थल का वैज्ञानिक एवं गहन निरीक्षण किया जा रहा है। घटना की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष दीपनगर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

12वीं परीक्षा परिणाम : जोधपुर में आर्ट्स में 98.17, कॉमर्स में 94.29 और साइंस में 98.94 प्रतिशत स्टूडेंट पास

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का 12वीं का रिजल्ट मंगलवार को जारी हो गया। इस बार जोधपुर जिले में आर्ट्स में 98.17 प्रतिशत, कॉमर्स में 94.29 प्रतिशत और साइंस में 98.94 प्रतिशत स्टूडेंट पास हुए। पिछले साल के मुकाबले इस साल जिले का कॉमर्स का रिजल्ट चार प्रतिशत से अधिक घट गया है, जबकि साइंस में सुधार हुआ है। जोधपुर में शानदार 99.20 प्रतिशत अंक हासिल कर बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाली ग्रेट सत्यम एकेडमी स्कूल की छात्रा मानसी जांगिड़ को स्कूल प्रबंधन ने कार गिफ्ट करने की घोषणा की है। 12वीं बोर्ड में जिले के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया है। साइंस में 99.09 प्रतिशत छात्राओं ने पास होकर अपना दबदबा कायम रखा है। वहीं कॉमर्स संकाय में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं, जहां अमूमन आगे रहने वाली बेटियों (93.24 प्रतिशत) को पछाड ?र छात्रों (94.75 प्रतिशत) ने सफलता हासिल की है। वहीं 12वीं के रिजल्ट में इस साल जोधपुर का प्रदर्शन कॉमर्स में कमजोर हुआ है। पिछले साल जोधपुर में आर्ट्स में 98.23 प्रतिशत रिजल्ट था, इस साल मामूली गिरकर 98.17 प्रतिशत रिजल्ट रहा है। साइंस में पिछले साल 98.59 प्रतिशत रहा था, इस बार सुधरकर 98.94 प्रतिशत हो गया। वहीं, कॉमर्स में पिछले साल 98.75 प्रतिशत रिजल्ट आया था, इस बार 4.46 प्रतिशत गिरकर 94.29 प्रतिशत रहा। जोधपुर जिला प्रदेश में इस बार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए साइंस में तीसरे स्थान पर और आर्ट्स में 12वें स्थान पर रहा।

सिलिकोसिस फर्जीवाड़ा : दो डॉक्टर और रेडियोग्राफर गिरफ्तार, 12.39 करोड़ का घोटाला उजागर

दौसा (हिंस)। जिले में सिलिकोसिस के फर्जी प्रमाण पत्र बनाने के बहुचर्चित मामले में पुलिस ने करीब दो साल बाद बड़ी कार्रवाई करते हुए दो सरकारी डॉक्टरों और एक रेडियोग्राफर को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को मंगलवार दोपहर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। साइबर सेल की तकनीकी जांच के आधार पर हुई इस कार्रवाई में पुलिस ने डॉ. मनोज ऊंचवाल, डॉ. डीएन शर्मा और रेडियोग्राफर मनोहर लाल को गिरफ्तार किया है। मामला वर्ष 2024 में कोतवाली थाने में दर्ज हुआ था, जिसकी जांच साइबर थाना प्रभारी बृजेश के नेतृत्व में की जा रही थी। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने मिलकर 2453 सिलिकोसिस के फर्जी प्रमाण पत्र जारी किए। इनमें से 413 मामलों में ऑटो अप्रूवल प्रक्रिया के जरिए करीब 12.39 करोड़ रुपए का गलत भुगतान कर दिया गया। शिकायत के अनुसार, जिला अस्पताल के पीएमओ कार्यालय में एलडीसी के माध्यम से इस पूरे फर्जीवाड़े की जानकारी दी गई थी। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि जिन मरीजों को सिलिकोसिस बीमारी नहीं थी, उन्हें भी प्रमाण पत्र जारी कर दिए गए, जबकि वास्तविक मरीजों के आवेदन खारिज कर दिए गए। रेडियोग्राफर द्वारा अपलोड किए गए एक्स-रे में भी गड़बड़ी पाई गई और एक ही एक्स-रे का कई बार उपयोग कर फर्जी सर्टिफिकेट

बनाए गए। मामले की जांच के लिए दो अलग-अलग कमेटियां गठित की गई थीं। एक एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर की ओर से और दूसरी जिला प्रशासन द्वारा। दोनों की रिपोर्ट में बड़े स्तर पर अनियमितताएं सामने आईं और पुष्टि हुई कि सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत से यह फर्जीवाड़ा किया गया। राज्य सरकार की 2019 की सिलिकोसिस नीति के तहत मरीज को तीन लाख रुपए, मृत्यु पर दो लाख रुपए और मासिक पेंशन का प्रावधान है। इसी आर्थिक सहायता का लालच इस घोटाले की मुख्य वजह बना। बड़ी संख्या में फर्जी कार्ड बनाकर सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाया गया। मामले में पहले भी कई डॉक्टरों और मेडिकल कर्मचारियों को निलंबित किया जा चुका है। चिकित्सा विभाग ने प्रारंभिक जांच के बाद आठ कर्मचारियों को सस्पेंड किया था और कई अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है और इस नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री की घोषणाओं पर काम हुआ शुरू

जींद (हिंस)। बीते दिनों उचाना में सीएम नायब सिंह सैनी द्वारा विकास रैली में की गई घोषणाओं पर कार्य शुरू हो गया है। करसिंधु गांव को महाग्राम का दर्जा मिलने के साथ यहां के लोगों को आने वाले दिनों में शहरों की तरह सुविधाएं मिलेगी। 18 फरवरी को विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री की अगुवाई में आयोजित विकास रैली में सीएम नायब सिंह सैनी पहुंचे थे। करसिंधु गांव में एसटीपी बनने के साथ-साथ पूरे गांव में सीवरेज लाइन बिछाने के साथ-साथ अन्य कार्य जो महाग्राम योजना के तहत होने है उसको लेकर 50 करोड़ रुपए की राशि मंजूर हो चुकी है। टेंडर सहित अन्य प्रक्रिया आने वाले दिनों में शुरू होगी। उचाना शहर के करीब 18 साल पहले सीवरेज पाइप लाइन बिछाई गई थी। सीवरेज पाइप लाइन की चौड़ाई कम होने के चलते बार-बार सीवरेज जाम होने की समस्या के साथ.साथ बारिश के पानी की निकासी भी प्रभावित हो रही थी। काफी समय से लोगों द्वारा नए सिरे से सीवरेज लाइन बिछाने की मांग की जा रही थी। नौ करोड़ की राशि नए सिरे से नगर पालिका एरिया में सीवरेज लाइन बिछाने के लिए मंजूर होने से सीएम ने जो घोषणा की थी वो पूरी हो गई है। इसी तरह कसूहन गांव में बूस्टिंग स्टेशन के निर्माण, जलघर का दोबारा से निर्माण, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट एवं पीने के पानी की पाइप लाइन बिछाने को लेकर सीएम घोषणा के बाद तीन करोड़ रुपए की राशि मंजूर हुई है। उचाना विधायक देवेंद्र अत्री ने मंगलवार को बताया कि उचाना विकास रैली उचाना के विकास के लिए नए आयाम स्थापित करेगी। जो घोषणाएं सीएम नायब सिंह सैनी ने की थी उनको लेकर राशि मंजूर अलग-अलग विभागों की हो रही है। करसिंधुए कसूहनए उचाना नपा एरिया को लेकर जन स्वास्थ्य विभाग के कामों को लेकर 62 करोड़ मंजूर हो चुके हैं। आने वाले दिनों के टेंडर प्रक्रिया कामों को लेकर होगी। हर घोषणा पर काम आने वाले दिनों में शुरू होता नजर आएगा। विकसित उचाना का जो सपना देखा था वो पूरा होगा। चंडीगढ़ में सीएम से मुलाकात के दौरान विकास को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत कैमरे लगवाएं, अभय कमांड से जोड़ें : एसपी

धौलपुर (हिंस)। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने मंगलवार को जिले के पुलिस अधिकारियों की क्राइम मीटिंग ली। इस मौके पर पुलिस मुख्यालय व रेंज स्तर द्वारा चलाए जा रहे अभियानों एवं लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मंथन किया गया। मीटिंग में ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत व्यापारियों से सार्वजनिक स्थानों पर अधिक से अधिक कैमरे लगवा कर अभय कमांड से जोड़ने व ऑपरेशन प्रहार के तहत अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ में अधिक से अधिक कार्रवाई करने के दिए निर्देश दिए गए। एसपी ने लंबित प्रकरणों की थाना वाइज समीक्षा कर सभी पुलिस अधिकारियों को लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण करने के विशेष तौर पर निर्देश दिए। उन्होंने आदतन अपराधियों को चिन्हित कर नई हिस्ट्रीशीट ओपन करवाने के लिए कार्य करने, चोरी, नकबजनी जैसे अपराधों पर पूर्ण अंकुश लगाने के लिए सूचना तंत्र को मजबूत बनाने की बात कही। सभी पुलिस अधिकारियों को अपने अपने इलाकों में प्रभावी गश्त व नाकाबंदी कर अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों की धरपकड़ करने के भी निर्देश दिए गए। इसके साथ ही थानों एवं कार्यालयों पर आने वाले व्यक्तियों से संवेदनशीलता से व्यवहार करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी कमल कुमार जांगिड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिकाऊ प्रकोष्ठ हवा सिंह, वृताधिकारी वृत्त धौलपुर कृष्ण राज जांगिड, वृताधिकारी वृत्त मनियां खलील अहमद, वृताधिकारी वृत्त सैंपऊ अनूप सिंह, वृताधिकारी वृत्त बाड़ी महेन्द्र कुमार व वृताधिकारी वृत्त सरमथुरा नरेंद्र मीणा सहित जिले के सभी थानों के थानाधिकारी गण उपस्थित रहे।

अब प्रदेश के 24 जिलों में किसानों को दिन में बिजली

जयपुर (हिंस)। प्रदेश के 22 जिलों के बाद अब दौसा एवं करौली जिले में भी कृषि उपभोक्ताओं को खेती के लिए दिन के दो ब्लॉक में बिजली सुलभ होने लगी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार रात अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल *एक्स* पर पोस्ट करके यह बड़ी घोषणा की। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रदेश के सभी जिलों में किसानों को दिन में बिजली देने का महत्वाकांक्षी संकल्प लिया है। इस क्रम में वर्ष 2024-25 के परिवर्तित बजट में यह कार्य चरणबद्ध रूप से वर्ष-2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। फिलहाल प्रदेश के 22 जिलों में कृषि उपभोक्ताओं को दिन के दो ब्लॉक में विद्युत आपूर्ति की जा रही है। अब जयपुर विद्युत वितरण निगम के दौसा एवं करौली जिले भी इससे जुड़ने जा रहे हैं। फिलहाल जयपुर डिस्कॉम के 7 जिलों-धौलपुर, बूंदी, कोटा, झालावाड़, जयपुर, डीग एवं भरतपुर के किसानों को सिंचाई के लिए दिन के दो ब्लॉक में बिजली उपलब्ध हो रही है।

विकास के नाम पर राजनीति नहीं करती भाजपा : बृजेंद्र सिंह

सिरसा (हिंस)। पूर्व सांसद एवं कांग्रेस नेता बृजेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा की राजनीति विकास के नाम पर नहीं, बल्कि समाज को बांटकर वोट लेने की रणनीति पर चलती है। किसानों, युवाओं या रोजगार जैसे मुद्दों पर कभी स्पष्ट वादे नहीं किए गए। 2019 में प्रधानमंत्री ने किसानों की आय दोगुनी करने की बात जरूर कही थी, लेकिन उस बात को भी सात साल बीत गए अभी तक कुछ नहीं हुआ। इस पर कोई ठोस चर्चा या परिणाम सामने नहीं आया। बृजेंद्र सिंह मंगलवार को अपनी सद्भावना यात्रा के दौरान कालांवाली हलके में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। गांव कुरंगावाली से यात्रा की शुरुआत हुई। इसके पश्चात गांव सुखचैन, खतरावा, तिलोकेवाला, तारुआना गांव से होते हुए कालांवाली शहर में यात्रा का समापन हुआ। पूर्व सासंद बृजेंद्र सिंह ने आरोप लगाया गया कि बीजेपी हर आंदोलन और हर समुदाय में दरार ढूंढ़ने की कोशिश करती है। किसान आंदोलन के दौरान भी सिख समुदाय के भीतर भेदभाव दिखाने की कोशिश की गई। इससे यह संदेश देने की कोशिश की गई कि एकजुटता को तोड़ना ही उनकी रणनीति का हिस्सा है, ताकि राजनीतिक लाभ हासिल किया जा सके। यात्रा दौरान पूर्व सांसद गांव तिलोकेवाला के गुरुद्वारा निर्मलसर साहिब में पहुंचे, जहां गुरुद्वारा के सेवादार संत गुरमीत सिंह ने उन्हें सिरोपा पहना कर सम्मानित किया।

पूर्व सांसद व अन्य नेताओं ने गुरुद्वारा के लंगर हाल में बैठ कर लंगर ग्रहण किया। इस मौके पर पूर्व विधायक बलकौर सिंह, जिलाध्यक्ष सतोष बेनीवाल, पूर्व विधायक प्रहलाद सिंह गिल्लाखेडा, निर्मल सिंह मलड़ी, सुखदेव सिंह बड़ागुढ़ा, अमनदीप कुरंगावाली, हरदेव सिंह कुरंगावाली, लखविंद्र नंबरदार, गुरप्रीत प्रधान, सुखदीप, मलकीत सिंह गंगा, दलजीत सिंह तिलोकेवाला, राजपाल जैलदार रतिया, प्रगट सिंह, अवतार सिंह सुरतिया, गुरदास सिंह सुखचैन सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

कानपुर यूनिवर्सिटी की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का प्रयास, तीन छात्र गिरफ्तार

कानपुर (हिंस)। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय (कानपुर यूनिवर्सिटी) की एक छात्रा के साथ तीन अन्य छात्रों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म करने का प्रयास करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि तीनों छात्रों ने उसे दबाव में लाकर अमानवीय कृत्य करने की कोशिश की। पीड़िता ने बताया कि बीते 16 मार्च को आरोपियों ने उसे खाना खाने के लिए कक्षा में बुलाया। इसी दौरान तीनों छात्रों ने उसके साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। विरोध करने पर उन्होंने जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद छात्रा भयभीत हो गई और अपने परिवार से भी डर के कारण पूरी बात साझा नहीं कर पा रही थी। परिजनों के लगातार पूछताछ करने पर उसने पूरी सच्चाई बताई। इस पर सोमवार देर शाम कल्याणपुर पुलिस ने अनुज विश्कर्मा, वैभव मिश्रा और निर्मल के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की।

संविधान संशोधनों पर पचास ऑनलाइन कार्यशालाओं का रिकॉर्ड

जोधपुर (हिंस)। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के अंबेडकर अध्ययन केंद्र द्वारा संविधान संशोधनों पर पचासवीं ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन होते ही एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज करवा लिया है। भारतीय संविधान में हुए सभी संशोधनों पर ऑनलाइन कार्यशाला का यह सिलसिला गत वर्ष 18 जून को शुरू हुआ था, जब अम्बेडकर अध्ययन केंद्र द्वारा संविधान के प्रथम संशोधन पर पहली ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन हुआ था। इसके बाद लगातार पचास कार्यशालाओं का आयोजन कर संविधान में हुए सभी 106 संशोधनों पर चर्चा कर विश्वविद्यालय के अंबेडकर अध्ययन केंद्र ने अनोखा रिकॉर्ड स्थापित कर दिया। पचासवीं ऑनलाइन कार्यशाला के आयोजन पर राजस्थान विश्वविद्यालय के प्रो. अशोक शर्मा ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बतलाया। उनके अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय संविधान के संदर्भ में किए गए अनेक नवाचारों की श्रृंखला में यह भी एक कड़ी है। गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो एम एम सेमवाल ने इसे संवैधानिक प्रबोधन की दिशा में नवाचार की संज्ञा दी। समाज विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता प्रो कान्ता कटारिया ने इसे विश्वविद्यालय का सामाजिक सरोकार कहा।

उनके अनुसार यह अत्यंत कठिन और चुनौतीपूर्ण कार्य था, जिसे केंद्र ने प्रतिबद्धता और समर्पण भाव से पूरा किया। केंद्र के निदेशक डॉ. दिनेश गहलोत के अनुसार इन ऑनलाइन कार्यशालाओं में मूल संविधान, संविधान संशोधन के प्रावधान और वर्तमान संविधान के तहत तुलनात्मक विश्लेषण विधि का अनुसरण किया गया। उनके अनुसार उच्चतम न्यायालय के विभिन्न निर्णयों, तत्कालीन राजनीतिक परिस्थितियों और विभिन्न आयोगों के प्रतिवेदनों के साथ संबंध जोड़ते हुए इन संशोधनों पर चर्चा की गई। इस दौरान सक्रिय जुड़ने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिए गए। इन ऑनलाइन कार्यशालाओं में कई बार देशभर से विषय विशेषज्ञों को भी मार्गदर्शन जोड़ा गया। इनमें श्रीनगर, उत्तराखंड के प्रो. एमएम सेमवाल, जयपुर से प्रो. अशोक शर्मा, पश्चिम बंगाल की डॉ. तूलिका चक्रवर्ती, वनस्थली विद्यापीठ से डॉ. प्रियदर्शनी पुरोहित, उदयपुर से डॉ. वैशाली देवपुरा, डॉ. बालुदान बारहट, बाड़मेर से डॉ. केशाराम, राजस्थान विश्वविद्यालय से डॉ. सुमन मौर्य ने मार्गदर्शन किया।

वाराणसी में 95 बटालियन सीआरपीएफ ने उल्लासपूर्ण माहौल में मनाया 38वां स्थापना दिवस

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश के वाराणसी पहाड़िया में स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) की 95वीं बटालियन मुख्यालय परिसर में मंगलवार को 38वां स्थापना दिवस उल्लास के साथ अफसरों और जवानों ने अपने परिवार के साथ मिलकर मनाया। बटालियन के कमाडेंट राजेश्वर बालापुरकर ने स्थापना दिवस पर सर्वप्रथम परिसर में पौधारोपण किया। इसके बाद मेले का फीता काटकर शुभांरभ किया। इस अवसर पर उन्होंने वाहिनी के साहसी कर्मियों और उनके परिवारीजनों को स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ अपनी वीरता और पेशेवराना अंदाज के लिए जानी जाती है। कमांडेंट ने वीर जवानों के जज्बे और साहस कर सराहना की। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ का गौरवशाली इतिहास के साथ, बल पूरी ताकत से देश की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। देश को सीआरपीएफ की वीरता और बलिदान पर गर्व है। इस अवसर पर मेले में जवानों के मनोरंजन के लिए ग्लास-बाल, मटका डंडा, फुटबॉल टायर, बच्चों के लिए जलेबी रेस और महिलाएं के लिए म्यूजिक चेयर आदि खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें विजेताओं को वाहिनी की प्रथम महिला अर्चना बालापुरकर के हाथों से पुरस्कार दिया गया। इस दौरान सुनीता सिंह, रिंकू सहित अन्य अफसरो की पत्नियां भी उपस्थित रही। मेले में विभिन्न राज्यों के मशहूर व्यंजनों और पेय पदार्थों को स्टाल लगाकर उपलब्ध कराया गया था। इसमें द्वितीय कमान अधिकारी, आलोक कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट अभिषेक सिंह, रंजन सिंह, शिव कुमार दीक्षित, अभिषेक कुमार, निरीक्षक कमलेश कुमार यादव, प्रिंस सिंह, अनिल कुमार यादव, विवेक राय आदि भी मौजूद रहे।

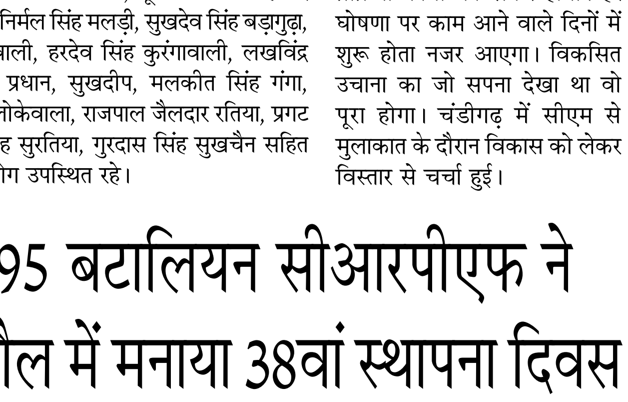

अप्रैल 2026-27 में वीकेंड हालिडे को मिलाकर कुल 10 दिनों के लिए बंद रहेगा शेयर बाजार

मुंबई

नए वित्तीय वर्ष 2026-27 की शुरुआत 1 अप्रैल 2026 से हो रही है। इस महीने शेयर बाजार (बीएसई और एनएसई) में सिर्फ दो ट्रेडिंग हालिडे होंगी। दोनों एक्सचेंजों पर इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स, करेंसी डेरिवेटिव्स और सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बारोइंग (एसएलबी) जैसे सभी सेगमेंट इन हालिडे पर बंद रहने वाले है।

अप्रैल 2026 में कुल ट्रेडिंग दिन कम होने से बाजार की गतिविधियां पर असर होगा। वीकेंड हालिडे मिलाकर कुल 10 दिनों के लिए दलाल स्ट्रीट बंद रहेगा। जबकि एक दिन पर सेटलमेंट हालिडे रहेगी।

अप्रैल 2026 के मुख्य ट्रेडिंग हालिडे सबसे पहले 3 अप्रैल 2026 (शुक्रवार) को गुड फ्राइडे के दिन पर होगी। इस दिन शेयर बाजार पूरी तरह बंद रहेगा। गुड फ्राइडे के दिन एमसीएक्स सुबह और शाम दोनों सेशन में पूरी तरह बंद रहेगा, क्योंकि इस दिन कई ग्लोबल मार्केट भी बंद रहते हैं। इसके बाद 14 अप्रैल 2026 (मंगलवार) को डा. बाबा साहेब आंबेडकर जयंती रहेगी। इस दिन भी बीएसई और एनएससी दोनों पर ट्रेडिंग नहीं होगी। 1 अप्रैल 2026 (बुधवार) को बाजार खुला रहेगा, लेकिन यह सेटलमेंट हालिडे है। इस दिन वार्षिक बैंक क्लोजिंग के कारण ट्रेड सेटलमेंट में सामान्य से ज्यादा समय लग सकता है।

शेयर बाजार में इन तीन दिनों के अलावा वीकेंड पर भी छुट्टी रहेगी। 4-5 अप्रैल को शनिवार-रविवार की वजह से छुट्टी रहेगी। इसके बाद 11 और 12 अप्रैल को शेयर बाजार बंद होगा। फिर 18 और 19 को भी मार्केट हालिडे रहने वाली है। इसके बाद 25 और 26 को शेयर बाजार वीकेंड हालिडे के कारण बंद रहेगा। अप्रैल में केवल दो ट्रेडिंग बंदी होने से महीना बाकि महीनों के मुकाबले व्यस्त रहेगा। लंबे वीकेंड (जैसे गुड फ्राइडे के आसपास) की वजह से कुछ दिन बाजार बंद रहेगा। विशेष रूप से 1 अप्रैल को सेटलमेंट में देरी की संभावना को ध्यान में रखें। बीएसई और एनएसई दोनों एक्सचेंजों ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर हालिडे सूची जारी की है।

न्यूज ब्रीफ

गिरावट के बाद चमक सकता है स्मालकेप स्टाक टाइम टेक्नोप्लास्ट, 2026 में 15 फीसदी टूटा, ब्रोकरेज को अब 70 फीसदी अपसाइड का दिख रहा मौका

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव का असर भारतीय शेयर बाजारों पर साफ दिखाई दे रहा है। सोमवार को भी बाजार में तेज गिरावट दर्ज की गई और यह लगातार दूसरा कारोबारी सत्र रहा जब प्रमुख सूचकांक दबाव में बंद हुए। बाजार में चौतरफा बिकवाली देखने को मिली, जिससे ज्यादातर शेयर लाल निशान में बंद हुए। निवेशकों की चिंता बढ़ने के चलते लगभग सभी सेक्टरों में कमजोरी दर्ज की गई। इस गिरावट के बीच ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने स्मालकैप कंपनी टाइम टेक्नोप्लास्ट पर सकारात्मक रुख बनाए रखा है। ब्रोकरेज का मानना है कि हालिया गिरावट लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एक अच्छा अवसर पेश करती है। मोतीलाल ओसवाल ने इस स्टाक पर खरीदारी की सलाह बरकरार रखते हुए 280 रुपए का टारगेट प्राइस दिया है। मौजूदा स्तर से यह करीब 70 प्रतिशत से अधिक संभावित रिटर्न दर्शाता है। ब्रोकरेज के अनुसार, भले ही पश्चिम एशिया में तनाव बना हुआ है, लेकिन कंपनी के आपरेशन काफी हद तक स्थिर हैं। इस क्षेत्र से कंपनी की कुल आय का लगभग 11 प्रतिशत हिस्सा आता है, जिससे जोखिम सीमित रहता है। कंपनी की रणनीति, जिसमें 11 देशों में स्थानीय स्तर पर उत्पादन और बिक्री शामिल है, सप्लाई चेन पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव को कम करने में मदद करती है। इसके अलावा, वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स और कम्पोजिट सिलेंडर सेगमेंट में बढ़ती हिस्सेदारी कंपनी के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत देती है।

किफायती होने के साथ शानदार माइलेज देती है ये 5 कारें

नई दिल्ली। भारतीय कार बाजार में कई ऐसी कारें मौजूद हैं जो किफायती होने के साथ शानदार माइलेज भी देती हैं। पेट्रोल-डीजल के दामों में उतार-चढाव के बीच आजकल कार खरीदते समय माइलेज सबसे अहम फैक्टर बन गया है। खासकर मिडिल क्लास परिवार ऐसी गाड़ियों की तलाश में हैं जो कम ईंधन में ज्यादा दूरी तय कर सकें। इनमें कुछ माडल 25 से 28 किमी/लीटर से ज्यादा का माइलेज देने में सक्षम हैं। इस लिस्ट में सबसे आगे मारुति सुजुकी ग्रांड विटारा (विक्टोरिस) का नाम आता है, जो 28.65 किमी/लीटर तक का माइलेज देती है। इसका हाइब्रिड इंजन इसे बड़ी एसयूवी होने के बावजूद बेहद फ्यूल एफिशिएंट बनाता है। दूसरे नंबर पर टोयोटा अर्बन क्रूजर हायराइडर है, जो 27.97 किमी/लीटर का माइलेज देती है। इसका स्ट्रान्ग हाइब्रिड सिस्टम इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर के तालमेल से बेहतर एफिशिएंसी देता है। प्रीमियम सेडान सेगमेंट में होंडा सिटी हायब्रिड भी शानदार विकल्प है, जो 27.26 किमी/लीटर का माइलेज देती है। इसका स्मार्ट हाइब्रिड सिस्टम ड्राइविंग के दौरान खुद तय करता है कि कब इंजन और कब बैटरी का इस्तेमाल करना है।

पैसेंजर व्हीकल एक्सपोर्ट में 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज

नई दिल्ली। पिछले एक साल में भारतीय आटोमोबाइल इंडस्ट्री ने निर्यात के मोर्चे पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। भारत में अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच पैसेंजर व्हीकल एक्सपोर्ट में 19 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई। पैसेंजर व्हीकल की कुल 8,13,919 यूनिट्स विदेशों में भेजी गई। इस दौरान मारुति सुजुकी ने सबसे आगे रहते हुए अपना दबदबा कायम रखा। कंपनी ने 34.4 प्रतिशत की सालाना ग्रोथ के साथ 3,88,591 यूनिट्स का निर्यात किया, जिससे उसका मार्केट शेयर बढ़कर 47.7 प्रतिशत हो गया। निर्यात सूची में दूसरे स्थान पर हयूंदै रही, जिसने 19.1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,76,185 यूनिट्स एक्सपोर्ट किए। तीसरे नंबर पर निसान ने 22.1 प्रतिशत की ग्रोथ के साथ 76,427 गाड़ियों का निर्यात किया। वहीं फाक्सवैगन के लिए यह अवधि चुनौतीपूर्ण रही और उसका निर्यात 15.5 प्रतिशत घटकर 37,659 यूनिट्स रह गया। इस सूची में टोयोटा ने 42.1 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़त के साथ 36,905 यूनिट्स का निर्यात कर पांचवां स्थान हासिल किया। किआ ने 25,908 यूनिट्स के साथ छठा स्थान पाया।

रुपए की लुढ़कती कीमतों पर आरबीआई का सख्त वार, बैंकों को आर्थिक दबाव का खतरा

बैंकों की गुहारः पुरानी पोजीशन को कैप से बाहर रखने और समय बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारतीय रुपया अमेरिकी डालर के मुकाबले लगातार कमजोर होता जा रहा है। शुक्रवार को एक डालर की दर 95.30 तक पहुंच गई, जो इस साल रुपये में लगभग 11 फीसदी की गिरावट को दर्शाती है और पिछले 14 वर्षों में सबसे तेज है। रुपये की इस तेजी से गिरावट को रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों की नेट ओपन रुपया पोजीशन (एनओपी) पर 100 मिलियन डालर की सीमा लगाने का ऐलान किया है। आरबीआई ने सभी अधिकृत विदेशी मुद्रा डीलरों (बैंकों) को आदेश दिया है कि वे 10 अप्रैल से हर कारोबारी दिन के अंत में अपनी ओपन रुपया पोजीशन 100 मिलियन डालर के भीतर रखें। इससे पहले बैंकों को अपनी कुल पूंजी के 25 फीसदी तक की पोजीशन रखने की अनुमति थी, जो बड़े बैंकों के लिए अरबों डालर में होती थी। इस नए नियम का मुख्य उद्देश्य आनशोर और आफशोर मार्केट के बीच हो रहे अरबिट्राज ट्रेड्स को रोकना है।

बाजार के कुछ बड़े खिलाड़ी इन ट्रेड्स के जरिए रुपये के खिलाफ सट्टेबाजी कर रहे थे, जिससे रुपये में अस्थिरता बढ़ रही थी। विशेषज्ञों का कहना है कि इस कदम से ट्रेडर्स को अपनी लंबी डालर पोजीशन छोड़नी पड़ेगी, जिससे डालर की मांग कम होगी और रुपये को मजबूती मिलने की संभावना है। हालांकि, इस उपाय के बैंकिंग सेक्टर पर नकारात्मक असर की भी संभावना है। एक अखबार की रिपोर्ट के अनुसार बैंकों को इस अचानक बदलाव के कारण बाजार से 30-45 अरब डालर तक की पोजीशन को बेचना या बंद करना पड़ सकता है। बैंकों के अनुसार, इतनी बड़ी पोजीशन को अचानक बेचने से बाजार की लिक्विडिटी कम हो जाएगी। इसका सीधा असर ग्राहकों, खासकर आयातकों और निर्यातकों को बेहतर दरें देने की क्षमता पर पड़ेगा।

लिक्विडिटी कम होने से छोटी ट्रेड भी कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव ला सकती हैं, जिससे रुपये में स्थिरता की बजाय अस्थिरता का खतरा बढ़ सकता है। अनवाईंडिंग प्रक्रिया में बैंकों को उस समय के स्प्रेड (खरीद और बिक्री दर का अंतर) के आधार पर घाटा भी उठाना पड़ सकता है। अगर सभी बैंक एक साथ 10 अप्रैल तक अपनी पोजीशन बंद करने की कोशिश करेंगे, तो बाजार में डालर की आवक अचानक बढ़ जाएगी। इसी कारण बैंकों ने आरबीआई से समय सीमा बढ़ाने और पुरानी पोजीशन को इस कैप से बाहर रखने की गुहार लगाई है। उनका सुझाव है कि केवल नए एनडीएफ ट्रेड पर यह कैप लागू किया जाए, जिससे पोर्टफोलियो को चरणबद्ध तरीके से संतुलित किया जा सके और अनावश्यक वित्तीय नुकसान से बचा जा सके। आरबीआई का यह कदम रुपये की गिरावट रोकने और सट्टेबाजी कम करने के लिए अहम माना जा रहा है, लेकिन बैंकिंग सेक्टर पर इसके साइड इफेक्ट्स को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का कहना है कि नियम को धीरे-धीरे लागू करने और पुरानी पोजीशन को कुछ राहत देने से रुपये में स्थिरता के साथ-साथ बैंकिंग सेक्टर को भी सुरक्षित रखा जा सकता है।

जल्द ही लांच होगा वनप्लस नोर्ड 6

नई दिल्ली

वनप्लस भारत में जल्द ही वनप्लस नोर्ड 6 को लान्च करने की तैयारी कर रही है। इस फोन को पिछले साल आए वनप्लस नोर्ड 5 का अपग्रेड माना जा रहा है। लीक रिपोर्ट्स में इस सीरीज के और विस्तार के संकेत मिले हैं। मशहूर टिप्स्टर के अनुसार, कंपनी वनप्लस नोर्ड सीई 6 और वनप्लस नोर्ड सीई 6 लाइट को भी भारतीय बाजार में उतार सकती है।

बताया जा रहा है कि ये दोनों स्मार्टफोन मई महीने में लान्च हो सकते हैं। अगर ऐसा होता है, तो यह सीई लाइट सीरीज की लगभग दो साल बाद वापसी होगी, क्योंकि पिछली बार वनप्लस नोर्ड सीई 4 लाइट 5जी को जून 2024 में पेश किया गया था। लीक हुई जानकारी के अनुसार, नोर्ड सीई 6 का डिजाइन प्रीमियम लुक के साथ आ सकता है। सामने आई तस्वीर में फोन ब्लैक कलर और फ्लैट रियर पैनल के साथ दिखा है, जिसमें स्क्वायर शेप का डुअल कैमरा माड्यूल नजर आता है। वहीं, नोर्ड सीई 6 लाइट के स्पेसिफिकेशन्स भी सामने आए हैं, जिनमें 6.7 इंच की एलसीडी डिस्प्ले और 120 एचझेड रिफ्रेश रेट शामिल हो सकता है।

यह डिवाइस मीडियाटेक डायमेंसिटी 6300 प्रोसेसर से लैस हो सकता है और इसमें 7,000एमएएच की बड़ी बैटरी मिलने की संभावना है। कैमरा सेटअप की बात करें तो इसमें 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा और 16 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया जा सकता है। यह फोन एंड्राएड 16 आधारित आक्सीजनओएस 16 पर काम करेगा और इसमें साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर भी मिल सकता है। कीमत की बात करें तो नोर्ड सीई 6 लाइट की शुरुआती कीमत 23,000 रुपये से कम हो सकती है।

ईरान ने स्ट्रेट आफ होर्मुज पर टोल और सख्त नियम को दी मंजूरी

नई दिल्ली। ईरान की संसद की सुरक्षा समिति ने हाल ही में स्ट्रेट आफ होर्मुज को लेकर एक अहम मैनेजमेंट प्लान को मंजूरी दी है। इस योजना में इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर टोल (शुल्क) लगाने का प्रस्ताव शामिल है। सरकारी मीडिया के अनुसार, योजना में सुरक्षा, जहाजों की सुरक्षित आवाजाही, पर्यावरण संरक्षण और वित्तीय प्रबंधन जैसे कई महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया गया है। प्रस्ताव के तहत टोल वसूली ईरानी मुद्रा रियाल में की जाएगी। साथ ही यूनाइटेड स्टेट और इजरायल के जहाजों के इस मार्ग से गुजरने पर रोक लगाने की बात कही गई है। इसके अलावा उन देशों के जहाजों को भी अनुमति नहीं दी जाएगी, जो ईरान पर एकतरफा प्रतिबंधों में शामिल हैं। योजना में ओमान के साथ मिलकर कानूनी ढांचा तैयार करने का भी उल्लेख है। इस बीच, अमेरिकी वित्त मंत्री स्काट बेसेंट ने कहा है कि अमेरिका भविष्य में इस जलमार्ग पर स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करेगा। उन्होंने संकेत दिया कि इसके लिए बहुराष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की जा सकती है। वहीं पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जलमार्ग को बाधित किया गया, तो अमेरिका ऊर्जा ढांचे पर कार्रवाई कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से वैश्विक तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार प्रभावित हो सकता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ने की आशंका है।

सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,48,270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,48,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,35,910 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,36,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु शुरुआती कारोबार के दौरान दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार के भाव पर यानी 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,48,420 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,48,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,35,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,48,320 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,35,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,48,270 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,35,910 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,48,270 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,35,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,48,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,35,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,48,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,36,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,48,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,35,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत की ऊर्जा रणनीति में बड़ा बदलाव, रिन्यूएबल और ईवी बने भविष्य की कुंजी

तेल संकट और पश्चिम एशिया तनाव के बीच 500 जीडब्ल्यू लक्ष्य, लेकिन ग्रिड और स्टोरेज बड़ी चुनौती

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और तेल आपूर्ति पर जोखिम के बीच भारत तेजी से अपनी ऊर्जा रणनीति बदल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार देश अब फासिल फ्यूल पर निर्भरता घटाकर रिन्यूएबल एनर्जी और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (ईवी) की ओर बढ़ रहा है, जो आने वाले समय में बड़े निवेश अवसर के रूप में उभर सकता है। भारत ने 2030 तक 500 जीडब्ल्यू रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता का लक्ष्य रखा है, जिसमें से करीब 275 जीडब्ल्यू हासिल हो चुका है।

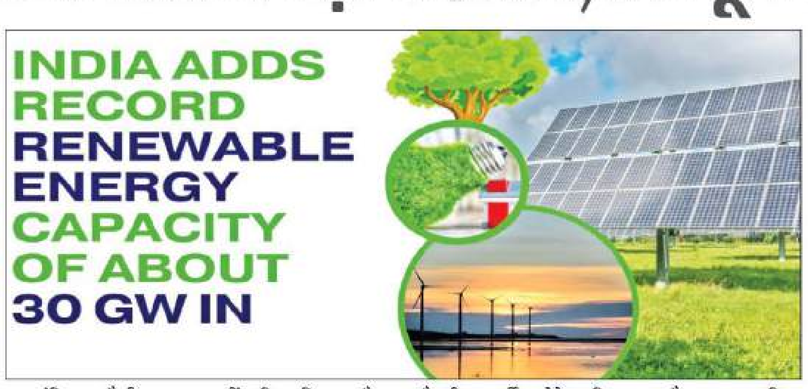

हालांकि, चुनौती उत्पादन नहीं बल्कि वितरण है।

ट्रांसमिशन लाइन की कमी, जमीन अधिग्रहण में देरी और परमिशन से जुड़े मुद्दों के कारण कई प्रोजेक्ट अटके हुए हैं। गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में बिजली बनने के बावजूद उसका पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम और मजबूत ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर इस समस्या का समाधान बन सकते हैं। इसके साथ ही हाइब्रिड और राउंड-द-क्लाक पावर प्रोजेक्ट्स पर भी निवेश बढ़ रहा है।

दूसरी ओर, कई प्रोजेक्ट्स को पावर खरीद समझौते (पीपीए) नहीं मिल पा रहे हैं, जबकि डिस्काम कंपनियां वित्तीय दबाव में हैं। छोटे डेवलपर्स के लिए फंडिंग और जमीन बड़ी चुनौती बनी हुई है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा अभी भी कमजोर है। देश के पास सिर्फ 5-6 दिन का रणनीतिक तेल भंडार है, जबकि एलपीजी का 55 फीसदी आयात पश्चिम एशिया से होता है। इसे देखते हुए सरकार स्टोरेज क्षमता बढ़ाने और पीएनजी कनेक्शन विस्तार पर काम कर रही है। रिपोर्ट में ईवी और रिन्यूएबल सेक्टर की कंपनियों में निवेश के बेहतर अवसर बताए गए हैं, जो इस बदलाव से सबसे ज्यादा फायदा उठा सकती हैं।

इलेक्ट्रिक सेगमेंट में ओला रोडस्टर एक्स प्लस स्कूटर ज्यादा चर्चा में

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल और ईरान संघर्ष के चलते भारत में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती किल्लत के बीच अब इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर एक मजबूत विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। अब बाजार में ऐसी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलें भी आ चुकी हैं, जो सिंगल चार्ज में 150 से लेकर 500 किलोमीटर तक की रेंज देने का दावा करती है। इस सेगमेंट में ओला रोडस्टर एक्स प्लस सबसे ज्यादा चर्चा में है, जो 501 किमी तक की आईडीसी रेंज के साथ आती है। इसमें दमदार मोटर और तेज एक्सेलेरेशन मिलता है, जो इसे प्रीमियम विकल्प बनाता है। वहीं अल्ट्रावायलेट एफ 77 मेक 2 भी परफार्मेंस के मामले में मजबूत है, जिसकी टाप रेंज 323 किमी तक जाती है। क्रूजर स्टाइल पसंद करने वालों के लिए कोमाकी रेंजर एक अलग विकल्प है, जो 200-250 किमी की रेंज और कई एडवांस फीचर्स के साथ आती है। वहीं रापती टी 30 हाई-वोल्टेज टेक्नोलाजी और फास्ट चार्जिंग के चलते तेजी से लोकप्रिय हो रही है।

दिल्ली को जीत दिलाने अक्षर पटेल को निरंतरता लानी होगी : इरफान पठान

नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर आलराउंडर और कप्तान अक्षर पटेल के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है और अगर उन्हें अपनी टीम को जीत दिलानी है तो इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पठान के अनुसार पिछले सत्र में अक्षर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। पठान ने बताया है कि हाल के दिनों में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे बड़ी चिंता टीम के खिलाड़ियों का कमजोर प्रदर्शन रहा है। पठान ने किहा कि अक्षर पिछले सत्र के 12 मैचों में केवल 5 विकेट ले पाये और अन्होंने 263 रन बनाए। पठान ने कहा, पिछले साल अक्षर की गेंदबाजी में धार नहीं दिखी थी। उनका आत्मविश्वास हालांकि कप्तान बनने के बाद बढ़ा होगा पर अगर वह अपनी तरफ से नियमित रूप से विकेट लेते हैं, तो उनकी टीम हावी हो जाएगी क्योंकि उनकी टीम के पास कुलदीप यादव जैसा विकेट लेने वाला गेंदबाज है। इसके अलावा विपराज निगम जैसे उभारत हुआ खिलाड़ी है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कहा, आपको अक्षर और कुलदीप जैसी स्पिन-गेंदबाजी की जोड़ी कहीं और देखने को नहीं मिलेगी। आपको इसमें विपराज का नाम भी जोड़ना होगा। विपराज के साथ उनके पास दो ऐसे अनुभवी खिलाड़ी हैं जिन्होंने लगातार दो विश्व कप जीते हैं। भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों वाला ऐसा अनुभव आपको हर जगह नहीं मिलता। दिल्ली के लिए ये सकारात्मक बात है। कैपिटल्स ने पिछले सत्र की शुरुआत काफी अच्छी करते हुए लगातार चार मैच जीते थे। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स , सनराइजर्स हैदराबाद , चेन्नई सुपर किंग्स और आरसीबी को हराया था पर उसके बाद मुंबई इंडियंस से हार गए और इससे टीम ने अपनी लय गंवा दी थी। यह टीम अपने पिछले 10 मैचों में से सिर्फ तीन ही जीत पाई और अंक तालिका में 5 स्थान पर रही। अब इस सत्र में टीम बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। उसे अपना पहला मुकाबला 1 अप्रैल को लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलना है। दिल्ली का लक्ष्य इस मैच को जीतकर अच्छी शुरुआत करना रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

शार्दुल से बोले पंड्या, अब मुम्बई टीम में ही बने रहें

मुम्बई। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने आईपीएल 2026 सत्र के पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली शानदार जीत पर खुशी जतायी है। मुम्बई के लिए ये जीत इसलिए भी विशेष है क्योंकि 13 साल के बाद ये पहला अवसर है जब उसे शुरुआती मैच में ही जीत मिली है। इस जीत में तेज गेंदबाजी आलराउंडर शार्दुल ठाकुर की अहम भूमिका रही है। शार्दुल ने इस मैच में अपनी जबरदस्त गेंदबाजी से केकेआर की बल्लेबाजी ध्वस्त कर दी थी। इसी से उत्साहित पांड्या ने कहा कि अब अपने करियर का बचा हुआ समय शार्दुल मुम्बई के साथ ही बिताएं। शार्दुल ने अपने चार ओवर में 39 रन लेकर 3 विकेट लिये। इसके लिए उन्हें प्लेयर आफ द मैच का अवार्ड भी मिला। जीत के बाद हार्दिक ने कहा कि शार्दुल की जगह अब टीम में पक्की हो गयी है। मेरी इच्छा है कि वह अब बाकि करियर यहीं बिताएं। शार्दुल ने इस सत्र से पहले छह अलग-अलग टीमों से है। वहीं इस मैच के बाद हार्दिक ने कहा, मैंने शार्दुल से इस सत्र में पहले भी कहा था, बहुत हो गया फ्रेंचाइजी बदलना। मैं चाहता हूं कि तुम अपने बाकी करियर के लिए यहीं रहो। जिस तरह से वह आता है और हमेशा बल्लेबाज पर अंकुश लगाता है। ये शानदार है। मैं उसके लिए बहुत खुश हूं।

पीएसएल में सुरक्षा प्रोटोकाल तोड़ने के लिए शाहीन पर लगा 10 लाख का जुर्माना

लाहौर। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में लाहौर कलंदर्स टीम के कप्तान शाहीन अफरीदी पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। शाहीन पर ये जुर्माना सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करते हुए अपने दोस्तों को होटल में ले जाने पर लगाया गया है। शाहीन ने इस दौरान सुरक्षाकर्मियों की बात भी नहीं मानी थी जिसके बाद उनकी शिकायत पीएसएल प्रबंधन और पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से की गयी थी। आंतरिक जांच के बाद शाहीन अफरीदी पर ने 10 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना ठोका है। इस मामले में लाहौर कलंदर्स टीम के लिए खेलने वाले जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा भी शामिल थे। एक रिपोर्ट के अनुसार चार अनधिकृत मेहमानों को होटल में खिलाड़ियों के कमरों में जाने की अनुमति नहीं थी। वहीं शाहीन ने सुरक्षा अधिकारियों और पीसीबी से औपचारिक अनुरोध भी नहीं किया था। रिपोर्ट में बताया गया कि शाहीन और रजा सुरक्षा कर्मियों की सलाह की बात न मानते हुए मेहमानों को होटल के कमरे में ले गए। वे वहां कम से कम तीन घंटे तक रहे जो सुरक्षा नियमों के खिलाफ था। इस घटना को लेकरलाहौर कलंदर्स ने बयान जारी करते हुए कहा कि इस मामले में शाहीन पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। वहीं होटल में तैनात सुरक्षा कर्मियों के सजग रहने के लिए उनकी प्रशंसा की गयी है।

वैभव सभी मैचों में उतरेंगे : रियान

गुवाहाटी। राजस्थान रायल्स के कप्तान रियान पराग ने कहा है कि उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी इस सत्र में अपनी सभी 14 मैच खेलेंगे। 15 साल के वैभव ने पहले ही मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 300 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से अर्धशतक लगाकर राजस्थान रायल्स की जीत में अहम भूमिका निभाई है। इससे उत्साहित रायल्स के कप्तान रियान ने कहा है हालात कैसे भी हों वैभव हर मैच खेलेंगे। सीएसके के खिलाफ मैच के बाद कप्तान रियान से जब वैभव के बारे में पूछा गया कि आप उन्हें क्या कहेंगे इसके जवाब में पराग ने कहा, मैं उसे यही कहूंगा कि तुम 14 गेम खेलने वाले हो और गेम में चाहे कुछ भी हो, तुम्हें इसी प्रकर निडर होकर खेलना है। मीडिया में क्या चल रहा है इससे परेशान होने की जगह केवल बल्लेबाजी पर ही ध्यान दो। मैंने कोच को बता दिया है कि उसे जितनी बल्लेबाजी करनी है करने दें। साथ कही कहा कि मैं और ध्रुव उसकी बल्लेबाजी देखकर हैरान हुए थे। हमें पता नहीं चल पा रहा था कि वह कैसे क्या कर रहा है हालांकि उसे अपनी टीम में पाकर बहुत खुश हूं।

फिडे कैंडिडेट्स 2026, राउंड 2 : प्रज्ञानानंद ने ड्रा खेलकर संयुक्त बढ़त बरकरार रखी, दिव्या-वैशाली का मुकाबला भी ड्रा

नई दिल्ली

फिडे कैंडिडेट्स 2026 के दूसरे राउंड में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने शानदार लय बरकरार रखते हुए ड्रा खेला और अंक तालिका में संयुक्त बढ़त बनाए रखी। उन्होंने चीन के वेई यी के खिलाफ मुकाबला ड्रा खेला। इससे पहले प्रज्ञानानंद ने पहले राउंड में उच्च रैंकिंग वाले अनिश गिरी को हराकर शानदार शुरुआत की थी।

वेई यी ने मुकाबले की शुरुआत पेट्रोफ डिफेंस से की, जिससे खेल की संरचना संतुलित और जटिल हो गई। प्रज्ञानानंद ने अपने रुख और छोटे मोहरों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए किसी भी तरह के आक्रमण को निष्क्रिय कर दिया। दोनों खिलाड़ियों ने पूरे मुकाबले में उच्च स्तर की सटीकता दिखाई और समय नियंत्रण के करीब पहुंचते-पहुंचते मुकाबला ड्रा पर समाप्त हो गया।

महिला वर्ग में आल-इंडियन मुकाबले में दिव्या देशमुख और आर वैशाली के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जो अंततः ड्रा पर खत्म हुआ। दिव्या ने ठोस रणनीति अपनाते हुए अपने नाइट के इर्द-गिर्द खेल को आगे बढ़ाया और वैशाली पर लगातार दबाव बनाए रखा। हालांकि, इस मुकाबले की सबसे बड़ी बात वैशाली की समय की स्थिति रही। वह जल्दी ही समय के दबाव में आ गई और उन्हें पहले सत्र के अंतिम चरण में सिर्फ 30 सेकंड की वृद्धि (इंक्रीमेंट) के साथ खेलना पड़ा। उन्होंने दबाव में शानदार संयम दिखाते हुए मुकाबला ड्रा कराया, जो उनके लिए मनोबल बढ़ाने वाला साबित हुआ, जबकि दिव्या के लिए यह एक चूका हुआ मौका रहा। अन्य मुकाबलों की बात करें तो ओपन वर्ग में मैथियास ब्लूबाउम और जावोखिर सिंदारोव के बीच मुकाबला ड्रा रहा। वहीं फैबियानो कारुआना और अनिश गिरी का मैच भी ड्रा पर समाप्त हुआ। हिकारू नाकामुरा और आंद्रेई एसिपेंको ने भी अंक बांटे। महिला वर्ग के एक अन्य मुकाबले में झू जिनर लंबे समय तक बढ़त में नजर आईं, लेकिन अंत में बिबिसारा अस्साउबायेवा के खिलाफ मुकाबला ड्रा पर समाप्त हुआ।

कोच ने बताया सूर्यकुमार के इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरने का कारण

मुम्बई। मुंबई इंडियंस टीम में शामिल बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव आईपीएल सत्र के पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान में उतरे। सूर्या ने इस मैच में तीसरे नबर पर बल्लेबाजी की पर पर वह फिल्डिंग के लिए मैदान में नहीं उतरे। इसके बाद से ही कई सवाल उठे हैं जिनको लेकर अब टीम के मुख्य कोच महेला जयवर्धने सफाई दी है। जयवर्धने ने कहा कि टीम में सब कुछ ठीक है और किसी प्रकार की अटकलें लगायी नहीं जानी चाहिये। सूर्यकुमार को हल्की ग्रोइन समस्या थी, इसलिए उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा गया। जिससे वह चोट से बचे रहें। जयवर्धने के अनुसार वह फीलिंग करने के लिए तैयार थे पर टीम प्रबंधन किसी प्रकार से उनकी फिटनेस को लेकर खतरा मौल नही लेना चाहता था। कोच ने साफ कहा कि बड़े खिलाड़ियों को पूरे सत्र के लिए फिट रखना जरूरी है, इसलिए ये सोचा-समझा फैसला था। सूर्या ने केकेआर के खिलाफ ने 8 गेंदों में 16 रन की तेज पारी खेली। उन्होंने शुरुआत में ही बाउंड्री लगाकर लय दिखाई, लेकिन 15वें ओवर में आउट हो गए। मुंबई इंडियंस का अगला मैच 4 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में होगा। और माना जा रहा है कि इस मैच में सूर्यकुमार इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नहीं बल्कि अंतिम ग्यारह में शामिल रहेंगे।

फार्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ले सकते हैं संन्यास

टोक्यो

जापान ग्रां प्री में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने से निराश फार्मूला वन चालक मैक्स वर्स्टापेन ने कहा है कि वह अब अपने भविष्य को लेकर विचार कर रहे हैं। वर्स्टापेन के अनुसार सारी जिंदगी आप रेस नहीं कर सकते और जीवन में आगे भी काफी कुछ है। इससे माना जा रहा है कि वह आने वाले दिनों में संन्यास का फैसला कर सकते हैं। इस सत्र के नियमों से भी वह परेशान नजर आये। चार बार के विश्व चैंपियन वर्स्टापेन ने भी मान है कि जापान ग्रां प्री में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा।

सुजुका सर्किट पर 11वें स्थान से शुरुआत करने के बाद वह आठवें स्थान तक ही पहुंच सके। इस सत्र में नियमों और इंजन के ढांचे को लेकर भी वह नाराज दिखे। रेस के दौरान एक ऐसा पल भी देखने को मिला जब उनकी गाड़ी की बैटरी तकरीबन समाप्त हो गई थी और इसी कारण वह पिछड़ गये। वहीं क्वालिफाइंग के बाद वर्स्टापेन ने कहा था कि उन्हें अपने भविष्य को लेकर कई चीजों पर विचार करना है। जब उनसे इस बारे में दोबारा पूछा गया तो उन्होंने साफ कहा कि वह फार्मूला वन में अपने आगे के रास्ते को लेकर विचार कर रहे हैं। बहरीन और सऊदी अरब ग्रां प्री रद्द कर दिए जाने से भी खिलाड़ियों को लंबा ब्रेक मिला है। वर्स्टापेन का कहना है कि वह इसी दौरान आने वाले समय में अपने भविष्य पर फैसला ले सकते हैं उन्होंने यह भी कहा कि जिंदगी केवल फार्मूला वन तक सीमित नहीं है और आगे कई रास्ते हैं। उनके इस बयान से साफ है कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो वह संन्यास भी ले सकते हैं। वर्स्टापेन का मानना है कि फार्मूला वन में बने रहने के लिए खेल का मजेदार बने रहना जरूरी है।

एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी भारतीय महिला हाकी टीम

लुसाने। भारतीय महिला हाकी टीम न्यूजीलैंड के आकलैंड में 15 से 21 जून तक होने वाले एफआईएस नेशंस कप टूर्नामेंट में भाग लेगी। हाकी नेशंस कप प्रो लीग से बाहर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली टीमों का शीर्ष स्तरीय टूर्नामेंट है। इसमें विजेता टीम को अगले सत्र में प्रो लीग में खेलने का अवसर मिलता है।भारतीय महिला हाकी टीम पिछले सत्र में नौ टीमों में आखिरी स्थान पर रहने के बाद से ही प्रो लीग से बाहर हो गई थी। भारत के अलावा इसमें मेजबान न्यूजीलैंड, अमेरिका, जापान, कोरिया, चिली, स्काटलैंड और फ्रांस भी भाग लेंगे। भारतीय महिला हाकी टीम ने पिछले कुछ समय में काफी अच्छा प्रदर्शन करती आ रही है जिससे उसे नेशंस कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं पुरूषों वर्ग टूर्नामेंट केपटाउन में खेला जाएगा जिसमें दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, फ्रांस, कोरिया, जापान, वेल्स, मलेशिया, आयरलैंड और स्काटलैंड की टीमें हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट 11 से 20 जून तक खेला जाएगा। इसके लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों की तैयारी जारी है।

वैज्ञानिक ट्रेनिंग और रिकवरी से प्रदर्शन में सुधार होगा : सोनाली शिंगाटे

बेल्लारी

भारतीय कबड्डी खिलाड़ी सोनाली शिंगाटे ने आगामी एशियन गेम्स 2026 से पहले चल रहे भारतीय महिला कबड्डी टीम के राष्ट्रीय शिविर में वैज्ञानिक ट्रेनिंग और रिकवरी को प्रदर्शन सुधार की कुंजी बताया है। बेल्लारी स्थित इंस्पायर इंस्टीट्यूट आफ स्पोर्ट में आयोजित इस हाई-परफार्मेंस कैंप में टीम की संभावित खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं।

सोनाली शिंगाटे, जो 2025 कबड्डी वर्ल्ड कप (ढाका) में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रह चुकी हैं और 2018 एशियन गेम्स में रजत पदक विजेता टीम में भी शामिल थीं, ने कहा कि इस बार ट्रेनिंग में स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जो खिलाड़ियों के लिए नया अनुभव है। उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों को बेहतर तरीके से ट्रेनिंग करने और अपने प्रदर्शन को सुधारने में मदद मिल रही है।

करीब एक दशक का अनुभव रखने वाली शिंगाटे ने बताया कि 27 मार्च से शुरू हुए इस कैंप में वैज्ञानिक तरीकों से ट्रेनिंग दी जा रही है, जिसमें रिकवरी पर भी बराबर ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, ट्रेनिंग काफी कठिन है, लेकिन रिकवरी भी उतनी ही जरूरी है, और यहां इसका अच्छा प्रबंधन किया जा रहा है, जिससे शरीर जल्दी ढल रहा है।

हाल ही में हैदराबाद में आयोजित 72वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय कबड्डी चैंपियनशिप में इंडियन रेलवे की ओर से उपविजेता रहने के बाद शिंगाटे ने कहा कि उच्च स्तर पर प्रदर्शन के लिए ट्रेनिंग और रिकवरी के बीच संतुलन बेहद जरूरी है। उन्होंने माना कि पहले रिकवरी और वर्कलोड मैनेजमेंट पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता था, जिससे चोट की संभावना बढ़ जाती थी, लेकिन अब वैज्ञानिक दृष्टिकोण से खिलाड़ियों की फिटनेस और प्रदर्शन दोनों में सुधार होगा। यह कैंप 2 अप्रैल तक चलेगा और इसमें अनुभवी व युवा खिलाड़ियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल देखने को मिल रहा है। शिंगाटे ने कहा कि साथ में ट्रेनिंग करने से सीनियर और जूनियर खिलाड़ी एक-दूसरे को प्रेरित करते हैं, जिससे पूरी टीम का स्तर बेहतर होता है।

वैभव की पारी देखकर कैफ के सुर बदले, बोले उसकी क्षमताएं पहचानने में मुझसे भूल हुई

वह अगले स्तर पर जाने के लिए तैयार

गुवाहाटी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की शुरुआत से पहले उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की आलोचना करने वालों के सुर भी उनकी बल्लेबाजी देखकर अब बदल गये हैं। जिस प्रकार से वैभव ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ पहले ही मैच में 15 गेंदों में ही तेजी से अर्धशतक लगाया है। उससे पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाये। पहले जहां कैफ ने कहा था कि वैभव को लेकर जरुरत से ज्यादा बातें कही जा रही हैं, वहीं इस बल्लेबाज की पारी देखकर अब कैफ को भी अपनी धारणा बदलनी पड़ी है। कैफ ने माना है कि वैभव की क्षमताएं पहचानने में उनसे गलती हो गयी। कैफ ने सोशल मीडिया में लिखा, पिछले सत्र में मुझे लगा था कि वैभव सूर्यवंशी को बहुत जल्दी हाइप मिल रही है। पुराने विचारों वाला क्रिकेटर होने के नाते मेरा मानना है कि युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में कोई जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए। लेकिन एक साल बाद मुझे लगता है कि वह अगले स्तर पर जाने के लिए तैयार है। यह 15 साल का लड़का मनोरंजन भी कर सकता है और मैच विजेता पारियां भी खेल सकता है। पिछले साल उसने 35 गेंद में शतक लगाया था। वहीं अब 15 गेंद में अर्धशतक लगाया है। पिछले साल वैभव ने 14 साल की उम्र में डेब्यू किया था। वह आईपीएल इतिहास में डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। पिछले सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में इस बल्लेबाज ने 35 गेंद में शतक लगा दिया था। ये आईपीएल इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक है। उनसे पहले सबसे तेज शतक केवल यूनिवर्स बास क्रिस गेल के नाम है जिन्होंने 2013 में केवल 30 गेंदों में तीन अंकों का आंकड़ा हासिल किया था। सोमवार को हुए मैच की बात करें तो सीएसके पहले बल्लेबाजी करते हुए केवल 127 रन पर सिमट गई। टीम पूरे 20 ओवर तक नहीं खेल पाई और 19.4 ओवर में ही सिमट गई।

कार्तिक अन्य तेज गेंदबाजों के एक्शन की नकल न करें : स्टेन

मुम्बई। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के युवा तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी अपना गेंदबाजी एक्शन बार-बार बदल रहे हैं जिससे उन्हें नुकसान हो रहा है। स्टेन के अनसार जिस प्रकार से कार्तिक अन्य गेंदबाजों की नकल करने का प्रयास कर रहे हैं उससे उन्हें बचना होगा। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि किसी की नकल से कुछ लाभ जरुर मिल सकता है पर हर गेंदबाज के पास आना स्वयं का एक्शन होता है जिसे बनाये रखना चाहिये। आईईपीएल के पहले ही मैच में कार्तिक ने केकेआर के खिलाफ अपने पहले ही मैच में सूर्यकुमार यादव का विकेट लिया था पर उन्होंने 43 रन भी अपनी गेंदबाजी में दिये। स्टेन ने यह भी कहा कि इस युवा में काफी प्रतिभा है और उसे इसका सही से इस्तेमाल करना चाहिये। इसके साथ ही धैर्य रखते हुए विकेट के लिए हड़बड़ी नहीं करनी चाहिये। स्टेन के अनुसार, विकेट लेने की एक प्रक्रिया होती है और खिलाड़ी को उसी पर ध्यान देना चाहिए, न कि हर गेंद पर विकेट लेने का प्रयास करना चाहिये। साथ ही कहा कि इस गेंदबाज को अपने पर भरोसा रखते हुए जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए।अब तक के आईपीएल कैरियर को देखें तो कार्तिक ने आईपीएल 2020 में राजस्थान के लिए खेलते हुए 10 मैचों में 9 विकेट लिए थे और तभी सभी का ध्यान उनपर गया था। साल 2021 में उन्होंने पंजाब के खिलाफ आखिरी ओवर में 4 रन बचाकर मैच जिताया था।

कठिनाईयों का भी स्वागत करें

मानव-जीवन संघर्षपूर्ण है। जीवन में नित्य ही नए-नए उतार-चढ़ावों का सामना करना पड़ता है। सुख-दुःख, लाभ-हानि, प्रसन्नता-शोक, जन्म-मरण, आदि द्वन्द्व जीवन में आते-जाते रहते हैं। लेकिन हम केवल सुख, प्रसन्नता, लाभ, सफलता की ही आकांक्षा रखते हैं। इसके विपरीत दुःख, कठिनाइयां, परेशानियां, समस्याओं से हम कतराते हैं। उनसे घबराकर उनकी कल्पना भी जीवन में नहीं करना चाहते, किन्तु हममें से प्रत्येक को अपनी इच्छा के विरुद्ध भी जीवन में इनका सामना करना ही पड़ता है। उस स्थिति में हममें से बहुत से रोने लगते हैं जो इन कठिनाइयों को ही अपने विकास, उत्थान, महानता तथा प्रगति का साधन बना लेते हैं। महर्षि व्यास ने कहा है - क्षुद्रमना लोग ही दुःख के वशीभूत होकर अपना तप-तेज, शक्ति को नष्ट कर लेते हैं। किन्तु पुरुषार्थी, महामना लोग कष्टों को भी अपनी सफलता और विकास का आधार बना लेते हैं। रोना-धोना, शोक करना, चिन्ता, विषाद में खिन्न हो बैठना, हार मान लेना, कठिनाइयों, दुःखों का कोई समाधान नहीं है। ऐसी स्थिति में तो कठिनाइयां सुरसा की तरह बढ़कर समस्त जीवन को ही छिन्न-भिन्न कर देती हैं। यह भी निश्चित है जब तक सुख-दुःख और कठिनाइयां सदैव रहे हैं और रहेंगे। इनसे कभी छुटकारा नहीं पाया जाता है। उपनिषदकार ने कहा है न ह वै सशरीरस्य सतः प्रियाप्रिययोर पहति रस्ति। निश्चय ही जब तक यह शरीर बना हुआ है तब तक सुख और दुःख निवारण नहीं हो सकता। कठिनाइयां, जीवन का उसी तरह एक अनिवार्य अंग है जिस तरह रात्रि का होना, ऋतुओं का बदलते रहना। अतः आवश्यकता इस बात की है कि कठिनाइयों के रहते हुए भी आगे बढ़ा जाए।

काना-कुरूप-सेम्युअल जॉनसन

सेम्युअल जॉनसन उस काले-कलूटे, भद्दे और बेढंगे, लड़के का नाम था जो इंग्लैंड के लिचफिल्ड गांव में सन् 1709 में पैदा हुआ था। बचपन में चेचक निकली तो एक आंख फूट गई। फिर गण्डमाला की बीमारी ने घेर लिया। उसके पिता एक छोटे पुस्तक विक्रेता थे। गरीबी में गुजर होती थी, रहने को घर भी न था सो उसकी मां ने दुकान में ही प्रबन्ध किया। जॉनसन किताबों के ढेर में जन्मा और अंत भी कैसा विलक्षण कि वह पुस्तकों के ढेर में ही 77 वर्ष का होकर मर गया। सेम्युअल जब तीन साल का था और बुरी तरह बीमारियों से घिरा हुआ था तो उसकी माता को किसी ने कह दिया कि रानी का स्पर्श कराने से वह अच्छा हो सकता है। मां की ममता देखिए-बेचारी चिथड़ों में लपेट कर अपने बच्चे को रानी के पास लंदन ले गई और किसी प्रकार स्पर्श कराने में सफल हो गई। इसका परिणाम तो क्या होना था पर माता की ममता की वह भी एक करुण कहानी थी जिसे जॉनसन जीवनभर नहीं भूला। उस उपचार में एक छोटी चांदी की कटोरी तथा चम्मच खरीदा गया था उसे उस काने कुरूप लड़के ने अपनी माता की स्मृति में जीवनभर संभालकर रखा। बड़ा हुआ तो स्कूल में दाखिल किया गया। निर्धनता तो बाधक थी ही, कुरूपता ने भी उसे कम परेशान नहीं किया। आखिर तंग आकर उसने स्कूल छोड़ दिया और अपने बाप की दुकान पर ही काम करने लगा। दुकान पर बैठे-बैठे ही उसने वहां जितनी भी किताबें थीं सब पढ़ डालीं। उसके साथ ब्याह करने को भी कौन स्त्री तैयार होती? आखिर एक अधेड़ विधवा, जो जॉनसन से दूनी उम्र की थी, किसी प्रकार उससे शादी करने को तैयार हुई और उसकी गृहस्थी बसी। साहित्य में उसे रुचि थी, लेख-लिखने का चस्का तो लगा, कुछ लिखा भी, पर उन रचनाओं का छपना मुश्किल था। उसने कुछ लेख और पुस्तकें लिखकर प्रकाशक के पास भेजी तो अस्वीकृत के उत्तर के साथ, एक सलाह भी मिली कि आप इस लेखन के झंझट में न पड़ें। इससे अच्छा तो कुली का काम करेंगे जिसमें कम-से-कम भर पेट रोटी तो मिल जाया करेगी। कभी दिल छोटा न किया। सेम्युअल जॉनसन ने अंग्रेजी भाषा का महान शब्दकोष बनाने का काम अपने हाथों में लिया और अधिक परिश्रम से सात वर्ष में उसे पूरा कर दिया। यह सात वर्ष उसने कितनी कठोर साधना के बिताए इसे कोई नहीं जानता। केवल लोग यह जानते हैं कि उसने शब्दकोष बनाकर बहुत बड़ा काम कर डाला। जब वह शब्दकोष प्रकाशित हुआ तो प्रकाशक ने उसका पारिश्रमिक बतीस हजार रुपया दिया।

बहादुरों मर्दों का पुल...

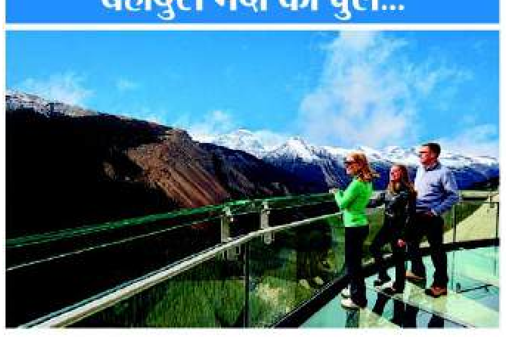

आपने पूरी दुनिया में ब्रिज और ओवर ब्रिज तो कई देखे होंगे, लेकिन शायद चीन जैसे ब्रिज दुनिया में कहीं नहीं हैं। समुद्र की गहराई हो या ऊंचे पहाड़ों के बीच, चीन के इंजीनियर कहीं पर भी ब्रिज बनाने में माहिर हैं। दुनिया के सबसे लंबे और अनोखे पुल चीन में पाये जाते हैं। जी हां, बता दें कि चीन ने अब एक कदम आगे बढ़ते हुए कांच का पुल बनाया है। इस पुल का नाम 'बहादुरों मर्दों का पुल' रखा गया है और यह सचमुच उन लोगों के लिए हरगिज नहीं है, जिनका दिल या दिमाग कमजोर है। 'द हाओहान कियाओ' या 'बहादुरों मर्दों का पुल' चीन के हुनान प्रांत में एक ऐसी खाई पर बनाया गया है, जिसकी 180 मीटर की गहराई वैसे ही दिल दहला देती है। लेकिन इस पुल को पार करने के लिए 'दिलेर' होना इसकी ऊंचाई की वजह से जरूरी नहीं है, बल्कि इसकी एक और विशेषता की वजह से जरूरी है। दरअसल इस पुल का फर्श जो 300 मीटर लम्बा है, पूरी तरह कांच का बना हुआ है। माना जाता है कि पूरी तरह पारदर्शक कांच का बना यह पुल दुनिया में अपनी तरह का पहला है और इसे मूल रूप से लकड़ी का ही बनाया गया था, लेकिन पर्यटकों को एक नया रोमांच देने के उद्देश्य से इसके फर्श को बाद में कांच से बदल दिया गया है। पुल के निर्माण में मदद करने वाले एक कामगार ने बताया-हमने यह पुल इस तरह बनाया है कि अगर पर्यटक इस पर कूदें भी, तो कुछ नहीं होगा, कोई गड़बड़ नहीं होगी। वैसे इसका स्टील का ढांचा भी काफी मजबूत है, इसलिए अगर कांच टूट भी जाता है तो उसके ऊपर चल रहे लोग नीचे नहीं गिरेंगे। पुल का फर्श बनाने के लिए इस्तेमाल की गई कांच की हर शीट 24 मिलीमीटर मोटी है, साधारण कांच की तुलना में 25 गुणा ज्यादा शक्तिशाली है और किसी भी तरह का झटका झेल पाने के लिए बेहद मजबूत है।

...और अब प्री वेडिंग शूट

पिछले साल क्रिकेट के सुपरस्टार युवराज सिंह ने अपनी गर्लफ्रेंड हेजल कीच के साथ सगाई करके सबको चौंका दिया। हाल ही में युवराज और हेजल ने अपनी शादी से पहले शानदार प्री वेडिंग शूट करवाया है जिसमें दोनों की जोड़ी कमाल लग रही है। युवराज सिंह ने इस फोटोशूट की एक खास तस्वीर को भी इंस्टाग्राम पर शेयर किया। वास्तव में बीते कई सालों में बढ़ती तकनीक से हजारों काम सरल हुए हैं। हजारों नई चीजें हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन गई हैं। व्हाट्सऐप, सेल्फी जैसे नए शब्द भी सीखे हैं। लेकिन क्या कभी सोचा है कि रोजमर्रा की जिंदगी की तरह ही हमारे खास मौके, जश्न मनाने के तरीके भी इन सालों में कितने बदल गए। चाहे त्योहार हों या जिंदगी का सबसे बड़ा जश्न शादी। आजकल एक नया ट्रेंड चला है प्री वेडिंग शूट के नाम से। दरअसल इसमें लड़का-लड़की शादी से पहले ही किसी अच्छी सी जगह जाकर, प्रोफेशनल फोटोग्रफरों से अपनी रोमांटिक, मस्ती करते हुए तस्वीरें खिंचवाते हैं, वीडियो बनवाते हैं।

यादें जिंदगी भर

ऐसा नहीं है कि प्री वेडिंग शूट सिर्फ फिल्मी सितारों या अमीर लोगों के बीच प्रचलित है। आजकल शहर का लगभग हर जोड़ा शादी से पहले ऐसा करा रहा है। ये यादें उनके साथ जिंदगी भर रह जाती हैं। खूबसूरत वादियों, इमारतों के बीच दूल्हा-दूल्हन खुद को किसी सिलेब्रिटी से कम नहीं समझते। अब वो दौर धीरे धीरे खत्म हो रहा है जब शादी के बाद दुल्हन को जयमाला पकड़ा कर चार अलग अलग पोज देने को कहा जाता था, कभी अपनी बाली दिखाते हुए, तो कभी चूड़ी।

छोटे से ट्राईपॉड

अपने फेसबुक के कवर फोटो से लेकर वाट्सऐप की डिस्प्ले पिक्चर तक, आप सोशल मीडिया पर हर जगह अपने प्री वेडिंग फोटोज लगाना चाहेंगे। आखिर वे इतने क्यूट जो हैं! ये आपकी शादी होने से पहले का वो समय है, जब आपको अपने मंगेतर के साथ पोजिंग, रोमेंसिंग और थोड़ा समय बिताने को मौका मिलता है। अब वो फोटोग्राफर भी कम हो गए हैं जो हैलोजन लाइट या बड़े बड़े वीडियो कैमरा लेकर चलते थे और तस्वीर खींचते वक्त दूल्हा-दुल्हन के मुंह पर लाइट मारते थे। बेचारे पहले से थके हुए होते थे ऐसे में और पसीने छूट जाते थे। तकनीक बदलने से अब एक कैमरे और छोटे से ट्राईपॉड से ही तस्वीरें खिंच जाती हैं और वीडियो बन जाते हैं।

पिछले कई सालों में आम आदमी के घर-परिवार में भी होने वाली शादियों में भी कितने बदलाव आए हैं। यकीनन आप भी इससे इत्तेफाक रखेंगे कि अब आपके घर में भी शादियां वैसी नहीं होती जैसी 10-15 साल पहले हुआ करती थीं। परंपराओं में भले ही ज्यादा फर्क न आया हो लेकिन उन्हें पूरा करने के ढंग में जरूर आया है। देखिए, क्या क्या हैं वो बदलाव।

फोटो शूट को ऐसे बनाएं क्यूट

- **लवली पेट के साथः** अपने प्री वेडिंग शूट में अपने प्यारे से पेट को शामिल करें! यह बहुत मजेदार होगा और खास भी, क्योंकि आपका सबसे प्यारा व भरोसेमंद दोस्त आपके साथ होगा। आप सेव द डेट कार्ड उसके गले में लटका सकते हैं या फिर बोन की शेप का सेव द डेट कार्ड उसके मुंह में रख सकते हैं। है न सुपर क्यूट!!
- **रंग-बिरंगे बॉम्बसः** रंग-बिरंगे बॉम्बस बहुत ही लाजवाब लगते हैं और आपके फोटोज में बहुत से रंग भी एड करते हैं। अपने फॉटोग्राफर से रिक्वेस्ट करें कि वो आपके लिए ये रंग-बिरंगे बॉम्बस अरेंज करे और हां, फोटो शूट से पहले इसकी प्रैक्टिस करना न भूलें।
- **प्यार का सफरः** फुल ऑन बॉलीवुड स्टाइल में, अपने मंगेतर के साथ एक ही साइकल पर मस्ती के सफर के लिए निकल पड़े। साइकल पर सामने की तरफ कुछ गुब्बारे या बोर्ड बांध दें, जिस पर आपकी शादी की तारीख लिखी हो।
- **सुरीला प्यारः** आपके प्री वेडिंग शूट में वह चीज जरूर होनी चाहिए, जिसके कारण आप दोनों करीब आए। अगर आप दोनों म्यूजिक के दीवाने हैं, यानी जागते, सोते, खाते, पीते आपको म्यूजिक ही सूझता है, तो अपना प्यारा रेकॉर्ड लेबल के जरिये दिखाएं।
- **छतरी के नीचेः** सजावट से लेकर प्री वेडिंग शूट तक, ये प्रोप सभी मौकों को खूबसूरत बनाता है। विंटेज टी पार्टी थीम में सुंदर से गार्डन को रंग-बिरंगे छातों से डेकोरेट करें। एकदम पिक्टर परफेक्ट लगेगा।
- **आपके सबसे प्यारे दोस्तः** आपकी जिंदगी के सबसे मजेदार और मस्तीभरे फोटोज के लिए अपने दोस्तों और कजिंस को शूट में शामिल करें। उन्हें दीवार के पीछे से झांकते हुए या आप दोनों को एक दूसरे से अलग करते हुए पोज करें। आप उन्हें कलर कॉर्डिनेटेट कपड़े या फंकी एक्सेसरीज पहनने को भी कह सकते हैं।
- **जगमगाती रोशनीः** सुंदर और प्यारी! फेरीटेल इफैक्ट के लिए इस सस्ते से प्रोप को आप आसानी से अपनी शूट में शामिल कर सकते हैं। इसे आप दोनों अपने चारों तरफ लपेट सकते हैं या फिर अपनी शादी की तारीख को इन जगमगाती लाइट्स से लिख सकते हैं।
- **बुलबुलों की दुनियाः** हमें आज भी बबल्स ब्लो करना पसंद है और यह पिक्चर्स को भी बढ़िया दिखाते हैं। इसके लिए आपको चाहिए बबल बनाने का टब और बहुत सी मुस्कान। अपने फोटोग्राफर से पता करें कि क्या वो बड़ी बबल स्टिक का इंतजाम कर सकता है, नहीं तो छोटी स्टिक्स भी उतनी ही क्यूट होती हैं।

शादियों में ये भी हुए बदलाव

दुल्हन का मेकअप

शादी में सबकी नजर सबसे ज्यादा दुल्हन पर होती है। एक वक्त था जब मेकअप के नाम पर दुल्हन को ऊपर से नीचे तक ऐसा सजाया जाता था कि पहचानना ही मुश्किल हो जाता था। आंखों के ऊपर लाल-सफेद बिंदियों से सजावट, बालों में भारी भरकम मांग टीका, आंखों के ऊपर ढेर सारा शैडो, गालों पर रूज-ब्लशर, गले में किराए पर लिए हुए आर्टीफीशियल गहने। वो बड़े-बड़े दो-तीन हार दुल्हन की पूरी गर्दन ही ढंक देते थे और उस पर से जयमाल का भार। लेकिन अब मेकअप में भी बहुत बदलाव आया है। अब दुल्हनें, इतना हैवी मेकअप कराना पसंद नहीं करती। सिर्फ सिलेब्रिटी दुल्हनें ही नहीं, आप देखेंगे तो आम लड़कियां भी अपनी शादी में छोटी सी बिल्दी, हल्का सा मांग टीका, पतला सा काजल लगवाती हैं। कुछ सुर्ख लाल लिपिस्टिक तो कुछ उसमें भी हल्का रंग चुनती हैं।

लाल जोड़े की बंदिश नहीं

चाहे कोई बड़े घर की दुल्हन हो या आम घर की, पुराने जमाने में लहंगे लाल रंग के ही पहने जाते थे। उस पर मोटा जरी या पैच का काम। चोली तो दुल्हन के वजन से भी भारी और उस पर माथे तक आती चुनरी। लेकिन अब गौर करें तो लड़कियां नए-नए डिजाइन आजमा रही हैं। लाल रंग की कोई बंदिश नहीं रह गई है। पेस्टल रंग जैसे हल्के गुलाबी, क्रीम रंग या गाढ़े नारंगी रंग के लहंगे, साड़ी भी आजकल चलन में हैं।

पर्फेक्ट कपल

दूल्हे भी अपने लुक को लेकर अब बहुत सोचते हैं। अब दुल्हन-दूल्हा पहले से ही मैचिंग कपड़े तय कर लेते हैं ताकि साथ में खड़े होने पर पर्फेक्ट कपल लगें। लड़के भी सिर्फ शेरवानी नहीं बल्कि पठानी सूट, डिजाइनर धोती कुर्ता भी पहनते हैं। सेल्फी का चलन जयमाला के वक्त भी दिखता है। खुद दूल्हा-दुल्हन ही अपनी तस्वीर खींच लेते हैं और दोस्तों के साथ मौज मस्ती करते हैं। दुल्हनें अब घूंघट डालें, गर्दन नीचे झुकाए शर्माती नहीं रहतीं।

सजावट का तरीका

सजावट से लेकर प्रेजेंटेशन तक का तरीका भी बहुत बदला है। लोग थोड़ा ज्यादा पैसा खर्च कर के भी नई नई तरह की सजावटें कराते हैं। चलन यह भी बढ़ गया है कि खुद सब कुछ तय करने के बजाए वेडिंग प्लानर रख लो, जो आपके बजट में खाने से लेकर नाच गाने तक का ध्यान रखेगा। जैसा कि आपने फिल्म बैंड बाजा बारात में भी देखा होगा।

संगीत फंक्शन

पहले जमाने में लेडीज संगीत का मतलब होता था कि मोहल्ले की 4-5 महिलाएं इकट्ठा हो कर ढोलक बजा कर बन्ना बन्नी गा लेती थीं। लेकिन अब बदलते वक्त के साथ इसे भी पूरे जश्न के साथ मनाया जाता है। अब दोनों परिवार के मेहमान एक ही जगह मिल कर संगीत फंक्शन रखते हैं जिसमें मर्द भी होते हैं। दूल्हा-दुल्हन बकायदा कपल डांस परफामेंस की तैयारी करते हैं।

समर में ठंडा न पड़े कार का एसी...

गर्मियों में आपकी कार का एसी आपका सबसे अच्छा साथी बन जाता है। बिना एसी की कार में निकलना इन दिनों काफी परेशानी वाला हो सकता है। आपकी कार का एसी ठीक से काम करे, इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। यह जानना भी जरूरी है कि कार का एसी काम कैसे करता है और उसके मेजर कंपोनेंट क्या हैं। हम यहां बता रहे हैं अपनी कार के एसी को कैसे रखें कूल। अगर कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखा जाए तो आपकी कार का एसी लंबे समय तक बढ़िया काम करता है।

धूप में क्या करें

कार को हमेशा छांव में खड़ा करने की कोशिश करें। अगर मजबूरी में कार को धूप में ही खड़ा करना पड़े तो कार के डैश बोर्ड पर तौलिया या कोई कपड़ा डाल दें या शीशे पर सनस्क्रीन लगाएं। यह सनस्क्रीन आसानी से हर जगह मिल जाती है।

इस तरह करें स्टार्ट

अगर बाहर का टेंपरेचर 40 डिग्री है तो कार के अंदर का टेंपरेचर करीब 43-44 होगा। ऐसे में कार को स्टार्ट करें और आगे की दोनों विंडो के शीशे खोलकर एसी ऑन कर दें। ऐसा करने से करीब 3-4 मिनट में अंदर और बाहर का टेंपरेचर समान हो जाएगा। इससे एसी पर ज्यादा लोड नहीं पड़ेगा।

कंडेंसर पर धूल

अगर आपकी कार का एसी कम ठंडा कर रहा है तो सबसे पहले एसी के कंडेंसर को हवा मारकर और पानी से धोकर साफ करें। कंडेंसर पर धूल जमने से एसी की ठंडा करने की क्षमता कम हो जाती है।

कारपेट पर धूल

इस बात का ध्यान रखें कि कार के अंदर, खासतौर पर आगे की कारपेट पर ज्यादा धूल इकट्ठा न हो। अगर धूल होगी तो ब्लोअर हवा के साथ-साथ धूल को भी खींच लेगा और कूलिंग कॉइल जाम हो सकती है।

कॉटन सीट कवर

एसी कितना ठंडा कर रहा है, यह इस बात पर भी निर्भर करेगा कि कार के अंदर का मटीरियल जैसे सीट कवर वगैरह कितनी जल्दी ठंडे होते हैं। इसके लिए कॉटन के सीट कवर लगाना सही रहता है।

गैस का लेवल

एसी में गैस का लेवल भी जांचते रहें। इसके लिए रिजर्व बॉटल पर एक शीशा दिया होता है। कार का एक्सिलेटर दबाने पर अगर शीशे साफ न दिखें और उसमें गैस जैसा धुंधला दिखे तो समझिए की गैस कम हो चुकी है। धूप से बचने के लिए ग्लास पर हल्की फिल्म भी लगा सकते हैं।अपनी कार के एसी को यूं ही किसी भी गली-मोहल्ले के मकैनिक से ठीक न करवाएं। इसके लिए किसी अच्छे मकैनिक के पास जाएं। सबसे बेहतर रहेगा कि अपनी कार ऑथराइज्ड सर्विस डीलर के पास ही जाएं।

कब कराएं सर्विस

कार के एसी की साल में कम से कम दो बार सर्विस तो जरूर करवानी चाहिए। इसके लिए एक बार सीजन शुरू होने से पहले एसी की सर्विस कराएं। इसके अलावा एक बार जब आपको लगे कि अब एसी का ज्यादा काम नहीं है या बिल्कुल ही काम नहीं है तो सीजन खत्म होने के बाद एक बार और सर्विस कराएं।

एसी सर्विस रिक्वेस्ट

जब भी आप अपनी कार सर्विस के लिए देते हैं तो हमेशा एसी की सर्विस नहीं की जाती। अगर आपको एसी की सर्विस करानी है तो उसके लिए आपको अलग से एसी सर्विस रिक्वेस्ट देनी होती है। हालांकि कार की सर्विस करते वक्त ज्यादातर सर्विस सेंटरों पर कंडेंसर वगैरह की धुलाई करके दी जाती है और एसी का चेकअप भी किया जाता है। अगर कोई गड़बड़ी पाई जाती है तो कस्टमर को बता दिया जाता है। आम तौर पर गैस कम होने पर गैस भरी जाती है या फिर कंडेंसर बदलने की जरूरत हो तो उसे बदल दिया जाता है। इसके अलावा कई कार कंपनियां एसी चेकअप कैंप लगाती रहती है। आप कभी भी इन कैंपों में अपनी कार ले जाकर एसी चेक करवा सकते हैं।

कहां से लगवाएं एसी

कार का एसी अब कोई लग्जरी फीचर न होकर, जरूरत बन गया है। अगर आप नई कार ले रहे हैं तो बेहतर है कि एसी के साथ ही लें। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर आपको अपनी कार में अलग से एसी लगवाना है, तो जिस कंपनी की कार है उसके ऑथराइज्ड सर्विस सेंटर से ही लगवाएं। ऑथराइज्ड सेंटर में ही आपको कंपनी की ओरिजिनल किट मिलेगी। हालांकि यह थोड़ी महंगी पड़ती है। मसलन अगर आपको मारुति सुजुकी ऑल्टो में एसी लगवाना है तो सर्विस सेंटर पर आपको करीब 30 से 35 हजार रुपए खर्च करने होंगे। अगर आप बाहर किसी लोकल मकैनिक से एसी लगवाते हैं तो वहां आपको यह थोड़ा सस्ता पड़ता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)